चेन्नई को पीछे छोड़ा, गोरखपुर बना देश का पहला अर्बन फ्लड मैनेजमेंट शहर

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

चीन में भारी बारिश ने मचाया कोहराम, 30 लोगों की मौत, 80 हजार लोगों को किया गया रेस्क्यू

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक -217 | रायपुर | बुधवार 30 जुलाई 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

'नेहरू ने किया था देश के खिलाफ समझौता'

मोदी ने सिंधु जल समझौते के बांधों की डीसिल्टिंग का उठाया मुद्दा

संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर चर्चा के दौरान विपक्ष पर बड़ा हमला बोला है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के लोग हमें डिप्लोमेसी का पाठ पढ़ा रहे हैं, उनको भी कुछ याद दिलाना चाहता हूं। 26-11 की घटना के बाद भी विदेशी दबाव में कांग्रेस का पाकिस्तान प्रेम नहीं रुका। हमले के कुछ दिन बाद ही कांगेस की सरकार ने पाकिस्तान से बातचीत शुरू कर दी थी। पीएम मोदी ने कहा कि एक भी डिप्लोमेट को बाहर निकालने की हिम्मत नहीं की। बड़े-बड़े हमले होते गए, लेकिन यूपीए सरकार ने पाकिस्तान को मोस्ट फेवर्ड नेशन का दर्जा देकर रखा था। कभी वापस नहीं लिया। देश मुंबई हमले का न्याय मांग रहा था, कांग्रेस पाकिस्तान से व्यापार करने में लगी थी। पाकिस्तान वहां से खून की होली खेलने वाले आतंकियों को भेजता रहा, कांग्रेस यहां अमन की आस के मुशायरे किया करती थी। हमने ये वन-वे ट्रैफिक बंद कर दिया। **मोदी ने शेयर की पाकिस्तान पर एक्शन की डीटेल्स** - पीएम मोदी ने कहा है कि हमने पाकिस्तान का एमएफएन का दर्जा रद्द किया, वीजा बंद किया, अटारी वाघा बॉर्डर बंद कर दिया। भारत के हितों को गिरवी रख देना कांग्रेस की पुरानी आदत है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण सिंधु जल समझौता है। ये नेहरू जी ने किया और मामला जुड़ा था भारत से निकलने वाली नदियों का। वो नदियां हजारों साल से भारत का सांस्कृतिक विरासत, चैतन्य शक्ति रही हैं।

सिंधु नदी जो भारत की पहचान रही है लेकिन कांग्रेस ने सिंधु और झेलम पर विवाद के लिए पंचायत दिया विश्व बैंक को. सिंधु जल समझौता भारत की अस्मिता और भारत के स्वाभिमान के साथ किया गया बहुत बड़ा धोखा था। आज के देश के युवा ये सुनते होंगे तो आश्चर्य होता होगा। नेहरू जी ने किया क्या कि ये जो नदियां थीं, 80 फीसदी पानी पाकिस्तान को देने के लिए राजी हो गए थे. इतने बड़े भारत को 20 फीसदी पानी। कौन सी बुद्धिमानी थी।

लोकसभा में पीएम मोदी ने कांग्रेस की ऐतिहासिक गलतियां गिनाईं

ट्रंप के सीजफायर कराने के झूठ पर पीएम का खुलासा : पाक के DGMO ने गुहार लगाई थी

दुनिया के किसी नेता ने जंग नहीं रुकवाई

कांग्रेस ने कभी करगिल विजय दिवस तक नहीं मनायाः पीएम

दुनिया के कई देशों का समर्थन मिला, मगर मुझे दुख है कि देश में कांग्रेस ने साथ नहीं दिया

पाकिस्तान के न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग की हवा निकाल दीः पीएम मोदी

एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस में हिस्सा लिया। एक घंटा 40 मिनट की स्पीच में ट्रम्प का नाम लिए बिना कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया में किसी भी देश ने भारत को अपनी सुरक्षा में कार्रवाई करने से रोका नहीं है

उन्होंने बताया कि दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन रोकने नहीं कहा था। पाकिस्तान के DGMO ने भारत के DGMO से हमला रोकने की गुहार लगाई थी, क्योंकि वो हमारा हमला नहीं झेल पा रहा था।'

जनता ने हर साजिश को नाकाम कर दिया, उनका आभार व्यक्त करता हूं: पीएम

22 अप्रैल को पहलगाम में जिस तरह की क्रूर घटना घटी. जिस प्रकार आतंकियों ने उनका धर्म पूछकर उन्हें गोली मारी. भारत को हिंसा आग में झोंकने का प्रयास कर दिया. वे जनता का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने इस साजिश को नाकाम कर दिया. तब मैंने यह संकल्प लिया था कि हम आतंकियों को मिट्टी में मिला देंगे. 22 अप्रैल को मैं विदेश में था और आने के तुरंत बाद मैंने एक बैठक बुलाई. उस बैठक में मैंने साफ निर्देश दिए कि आतंकवाद को करारा जवाब देना होगा. हमें अपनी सेना पर पूरा भरोसा है. सेना को कार्रवाई की पूरी छूट दी गई. सेना तय करे कब, कहां और कैसे हमला करना है.

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प अब तक 26 बार कह चुके हैं कि भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर उन्होंने कराया।

लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ किया कि दुनिया के किसी देश ने भारत को नहीं रोका. मात्र तीन देशों ने पाकिस्तान के पक्ष में बयान दिया। पीएम मोदी ने कहा कि ये दुर्भाग्यपूर्ण हैं कि देश के वीरों के पराक्रम को कांग्रेस का समर्थन नहीं मिला. उन्होंने कहा कि कांग्रेस को पहलगाम के निर्दोष लोगों की हत्या में भी अपनी राजनीति तलाशनी थी. दुनिया के 193 देशों का समर्थन मिला। मगर मुझे दुख है कि कांग्रेस ने साथ नहीं दिया.

पीएम मोदी ने लोकसभा में कहा कि आजादी के बाद से ही जो फैसले लिए गए, उनकी सजा आज तक देश भुगत रहा है। उन्होंने कहा, अक्साई चिन की जगह, उस पूरे क्षेत्र को 'बंजर जमीन' करार दिया गया, यह कहकर के देश की 38,000 वर्ग किलोमीटर जमीन हमें खोनी पड़ी. मैं जानता हूं मेरी कुछ बातें चुभने वाली हैं. 1962 और 1963 के बीच, कांग्रेस के नेता जम्मू कश्मीर के पुंछ, उरी, नीलम वैली और किशनगंगा को छोड़ देने का प्रस्ताव रख रहे थे. वो भी लाइन ऑफपीस के नाम पर किया जा रहा था. 1966 में रण ऑफकच्छ पर इन्हीं लोगों ने मध्यस्थता स्वीकार की थी. एक बार फि र उन्होंने 800 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पाकिस्तान को सौंप दिया।

1965 की जंग में हाजी पीर पास को सेना ने वापस जीत लिया था, लेकिन कांग्रेस ने उसे फिर लौटा दिया. 1971 में पाकिस्तान के 93 हजार फौजी हमारे पास बंदी थे. पाकिस्तान का हजारों वर्ग किलोमीटर एरिया हमारी सेना ने कब्जा किया था. हम बहुत कुछ कर सकते थे. उस दौरान, अगर थोड़ा सा विजन होता, थोड़ी सी समझ होती तो POK वापस लेने का निर्णय हो सकता था. वो मौका था, वो मौका भी छोड़ दिया गया. इतना सब कुछ जब टेबल था तो कम से कम करतारपुर साहिब को तो ले सकते थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से की मुलाकात,राजस्थान के विकास पर चर्चा की

नई दिल्ली राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से मिलकर राजस्थान के विकास पर चर्चा की। सीएम ने उनके दूरदर्शी नेतृत्व एवं निरंतर सहयोग के लिए राजस्थान की ओर से हृदय से आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में भारत ने नई ऊंचाइयों को छूते हुए विश्वपटल पर अग्रणी राष्ट्र के रूप में स्वयं को स्थापित किया है। उनके कुशल मार्गदर्शन में पिछले डेढ़ वर्ष से राजस्थान निरंतर विकास की सभी बाधाओं को पार करता जा रहा है और नई ऊंचाइयां छू रहा है। हमारी डबल इंजन की सरकार लगातार राजस्थान को एक आदर्श राज्य बनाने की दिशा में कार्य कर रही है, जहां प्रत्येक किसान, युवा, महिला, गरीब और वंचित वर्ग को न्याय मिल रहा है और वे अपनी पूर्ण क्षमता के साथ सम्मान युक्त जीवन जी रहे हैं।प्रधानमंत्री मोदी ने आने वाले समय में राजस्थान को और अधिक सहयोग देने का आश्वासन दिया है।

प्रलय मिसाइल के लगातार दो उड़ान-परीक्षण

पीआईबी

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 28 और 29 जुलाई, 2025 को ओडिशा के समुद्री तट पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से प्रलय मिसाइल के लगातार दो सफल उड़ान-परीक्षण किए। मिसाइल प्रणाली की अधिकतम और न्यूनतम रेंज क्षमता की पुष्टि करने के लिए उपयोगकर्ता मूल्यांकन परीक्षणों (यूजर इवाल्यूएशन ट्राइल्स) के एक भाग के रूप में उड़ान परीक्षण किए गए थे। मिसाइलों ने इच्छित प्रक्षेपवक्र का सटीक रूप से पालन किया और सभी परीक्षण उद्देश्यों को पूरा करने वाले पिन-पॉइंट सटीकता के साथ सभी जांच लक्ष्यों को प्राप्त किया। सभी उपप्रणालियों ने अपेक्षा अनुरूप कार्य किया, जिन्हें एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) द्वारा तैनात विभिन्न ट्रैकिंग सेंसर द्वारा कैप्चर किए गए परीक्षण डेटा का उपयोग करके सत्यापित किया गया था, जिसमें निर्दिष्ट प्रभाव बिंदु के पास स्थित जहाज पर तैनात उपकरण शामिल प्रलय एक स्वदेशी रूप से विकसित ठोस प्रणोदक अर्ध-बैलिस्टिक मिसाइल है जो उच्च परिशुद्धता सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक मार्गदर्शन और नेविगेशन को नियोजित करती है।

अमित शाह ने अखिलेश पर कसा तंज कहा : आतंकियों का धर्म देखकर दुखी न हों

नई दिल्ली एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में विपक्ष के हंगामे पर करारा जवाब दिया है। अमित शाह मंगलवार को सदन में 'ऑपरेशन महादेव' पर जानकारी दे रहे थे, जिसमें सेना ने पहलगाम के तीन आतंकियों को मार गिराया। इस दौरान ऐसा मौका भी आया जब विपक्ष शोर मचाने लगा। केंद्रीय गृहमंत्री रुके नहीं बल्कि उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को निशाने पर ले 'दुखी न होने' की नसीहत दे डाली।

दरअसल, लोकसभा में अमित शाह के संबोधन के दौरान अखिलेश यादव ने बीच में टिप्पणी की थी। इस पर अमित शाह ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख और लोकसभा सांसद अखिलेश को बैठने के लिए कहा। इसके बाद अमित शाह ने कटाक्ष करते हुए कहा कि आप आतंकवादियों का धर्म देखकर दुखी मत होइए। गृह मंत्री ने अपनी बात जारी रखते हुए कहा, यह हमारे देश की सेना और सीआरपीएफ, जम्मू कश्मीर पुलिस की बहुत बड़ी साझा कामयाबी है, जिस पर पूरे देश को नाज होना चाहिए। अमित शाह ने कांग्रेस नेता चिदंबरम की टिप्पणी पर भी लोकसभा में जवाब दिया।

नेहरू की वजह से PoK बना, पटेल ने किया था विरोध : अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को संसद में कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (POK) के अस्तित्व के लिए सीधे तौर पर पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को जिम्मेदार ठहराया। अमित शाह ने संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान 1949 में हुए पहले भारत-पाकिस्तान युद्ध को खत्म करने वाले ऐतिहासिक फैसले का हवाला देते हुए कहा, ÷अगर आज POK मौजूद है, तो यह जवाहरलाल नेहरू के युद्धविराम की वजह से है। इसका दोष नेहरू पर है।÷

उन्होंने आगे बताया कि 1960 में सरदार वल्लभभाई पटेल ने इस कदम का विरोध किया था। शाह ने कहा, सिंधु नदी के जल पर हमारी स्थिति मजबूत थी, लेकिन सिंधु जल संधि के बाद हमने 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को दे दिया। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर भारत के रणनीतिक लाभ को छोड़ने का आरोप लगाया।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर शशि थरूर के बाद मनीष तिवारी के भी कांग्रेस से जुदा सुर, बोले- भारत की बात सुनाता हूं

नई दिल्ली ,। संसद में पार्टी के दिग्गज नेता शशि थरूर और मनीष तिवारी को कांग्रेस ने संसद में बहस के दौरान बोलने का मौका नहीं दिया, जो 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विदेश दौरों पर जाने वाले प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। अब मनीष तिवारी ने इस विषय को लेकर तंज कसा है। कांग्रेस सांसद मनोज तिवारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक समाचार रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट शेयर किया। इसके साथ ही उन्होंने 1970 की हिट बॉलीवुड फिल्म 'पूरब और पश्चिम' के एक प्रतिष्ठित देशभक्ति गीत की कुछ पंक्तियों के साथ अपनी बात रखी। लिखा-, है प्रीत जहां की रीत सदा, मैं गीत वहां के गाता हूं, भारत का रहने वाला हूं, भारत की बात सुनाता हूं। जय हिंद।

राज्यसभा में नड्डा-खड़गे के बीच तीखी नोकझोंक मानसिक संतुलन पर टिप्पणी से गरमाया माहौल

नई दिल्ली एजेंसी

राज्यसभा में मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा के दौरान सत्ता और विपक्ष के बीच जमकर तल्खी देखने को मिली। बहस की शुरुआत कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने की, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। खड़गे ने कहा, जब से बीजेपी सत्ता में आई है, सिर्फ पहलगाम में ही पांच बार आतंकी हमले हो चुके हैं। गृहमंत्री बताएं कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है? अगर कोई जिम्मेदार नहीं है तो प्रधानमंत्री खुद जवाब दें या गृहमंत्री कुर्सी खाली करें। खड़गे के इस बयान के बाद सदन में सत्ता पक्ष के नेता जेपी नड्डा खड़े हुए। उन्होंने विपक्ष के सवालों का जवाब देने की बात कही, लेकिन साथ ही खड़गे के भाषण पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, मैं देख रहा था कि खड़गे जी हमारे वरिष्ठ नेता हैं, लेकिन उनके भाषण में जिस तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया गया, वह इस ओर इशारा करता है कि उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। इस पर विपक्ष के नेता खड़गे नाराज हो गए। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, इस सदन में कुछ नेता हैं जिनके प्रति मेरे मन में अपार सम्मान है। नड्डा जी उनमें से एक हैं। राजनाथ जी और वह ऐसे मंत्री हैं जो बिना अपना संतुलन खोए बोलते हैं।

राज्य | गोपनीय और भ्रामक जानकारी के प्रसार के खतरे

महाराष्ट्र में कर्मचारियों के लिए सोशल मीडिया के नए नियम, तोड़ने पर होगी कार्रवाई

एजेंसी

मुंबई,सोशल मीडिया पर सरकार की आलोचना करने वाले महाराष्ट्र के कर्मचारियों की अब खैर नहीं है। इसको लेकर महाराष्ट्र सरकार ने सोशल मीडिया उपयोग के नए नियम बनाए हैं। इसके तहत अब कर्मचारी योजनाओं को लेकर सरकार पर कोई टीका-टिप्पणी नहीं कर सकेंगे। इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। इसको लेकर सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा कि इससे काम में गोपनीयता आएगी और वे पहले से ज्यादा प्रभावी तरीके और जिम्मेदारी से काम करेंगे।

सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा कि फेसबुक, लिंक्डइन, एक्स, यूट्यूब, व्हाट्सऐप और टेलीग्राम जैसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग बढ़ गया है। साथ ही त्वरित संदेश के बढ़ते प्रचलन और सुविधा ने गोपनीय और भ्रामक जानकारी के प्रसार के खतरे पैदा कर दिए हैं। इसी को देखते हुए सरकार ने कर्मचारियों को सोशल मीडिया का सचेत और जिम्मेदारी से उपयोग करने के लिए कहा है। नए नियम स्थानीय निकाय, मंडल और सार्वजनिक उपक्रमों के अधिकारी-कर्मचारियों पर लागू होंगे। दिशा-निर्देशों में लिखा है कि अब कर्मचारियों को अपने निजी और आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट्स को अलग-अलग रखना होगा। उन्हें सरकार की किसी नीति पर प्रतिक्रिया देने और आलोचना करने की मनाही होगी। वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति के बिना गोपनीय दस्तावेज और जानकारी को किसी के साथ शेयर करने पर भी पाबंदी लगाई गई है। इतना ही नहीं, उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर खुद की तारीफ करने की भी इजाजत नहीं है, लेकिन योजनाओं की प्रशंसा कर सकते हैं। आदेश के अनुसार, आपत्तिजनक और मानहानिकारक कंटेंट शेयर करने, अपलोड करने और उनको फॉरवर्ड करने पर भी पूरी तरह प्रतिबंधित होगा। साथ ही आपत्तिजनक फोटो पोस्ट, अपलोड और फॉरवर्ड करने, प्रतिबंधित ऐप्स और वेबसाइट का उपयोग करने पर रोक लगाई है। इसके अलावा उन्हें रील्स में सरकारी लोगो या संपत्ति- वाहन या इमारत का वीडियो में इस्तेमाल नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। नियमों का उल्लंघन करने पर महाराष्ट्र सिविल सेवा नियम 1979 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। कर्मचारियों के सोशल मीडिया उपयोग पर नकेल कसने वाला महाराष्ट्र अकेला राज्य नहीं है। इससे पहले कई अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश भी ऐसा कदम उठा चुके हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने भी बिना अनुमति के सोशल मीडिया, अखबार, टीवी या रेडियो पर बयान देने, लेख लिखने या सरकार की नीतियों पर टिप्पणी करने पर रोक लगाई गई।

वह दिन दूर नहीं, जब पीओके के लोग भारतीय शासन व्यवस्था का हिस्सा होंगे

राज्यसभा में राजनाथ सिंह ने कही बड़ी बात

एजेंसी। नई दिल्ली

'ऑपरेशन सिंदूर' पर राज्यसभा में चर्चा करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारे विपक्ष के कुछ मित्र यह भी कह रहे हैं कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर यानी पीओके पर कब्जा कर लेना चाहिए था। रक्षा मंत्री ने कहा कि इसे लेकर उन्हें हैरानी होती है कि विपक्ष के सदस्य अपने मन की बात कह रहे हैं या सिर्फ दिखावा कर रहे हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा, जब मैं विपक्ष के अपने साथियों से यह बातें सुनता हूं, तो मुझे आश्चर्य होता है कि ये लोग मन से यह बातें कर रहे हैं या फिर सिर्फ दिखावा कर रहे हैं। जो भी हो, हमेशा से ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का और खुद मेरा भी यह स्टैंड रहा है कि वह दिन दूर नहीं जब पीओके के लोगों को भारतीय शासन व्यवस्था का अंग बनने का सौभाग्य प्राप्त होगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान की कहानी ऐसी ही है; वह हमेशा किसी न किसी बाहरी शक्ति के दबाव में आता रहता है। आज पाकिस्तान की पीठ पर एक नहीं, अनेक बेताल बैठे हुए हैं, जो उसे प्रगति की राह पर जाने ही नहीं दे रहे। भारत चाहता है कि आतंकवाद पाकिस्तान समेत पूरी दुनिया से खत्म हो, क्योंकि यह पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जब विपक्ष के हमारे मित्र देश की शासन व्यवस्था चला रहे थे, तो उन्होंने और उनके पॉलिटिकल सीनियर्स ने भारत में हुए आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान पर कोई कार्रवाई नहीं की क्योंकि उन्हें डर था कि पाकिस्तान एक परमाणु हथियार वाला देश है। उन्होंने कहा, आज जब हम पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं, तो मुझे इस अंधेरे और पावर हाउस वाली बाप-बेटे की कहानी याद आ रही है। आज जब वे देश के अलग-अलग हिस्से में जाते हैं, तो उन्हें भारत की जनता का, भारतीय जनता पार्टी के इस विजन के प्रति अटूट विश्वास दिखाई पड़ता है। उन्होंने कहा कि पर विपक्ष क्या चाहता है, यह अभी भी समझ के बाहर है। जब आप सत्ता में थे तो आपकी नीति पैरालिसिस ने देश को नुकसान पहुंचाया और आज जब आप विपक्ष में हैं तो आपकी पॉलिसी बैंकरप्सी देश के लिए और लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय बन चुकी है। जब हम आतंकवाद के खतरे से मुक्त होंगे, तभी हम पूरी दुनिया में सही मायनों में शांति और प्रगति के साथ-साथ समृद्धि के लक्ष्य की तरफ बढ़ सकेंगे। यह सब तो पाकिस्तान की आम जनता भी चाहती है, मगर वहां के हुक्मरानों ने पाकिस्तान को तबाही के रास्ते पर डाला हुआ है। कोई भी इंसान अपनी जड़ों को उजाड़ना नहीं चाहता, लेकिन चूँकि उनके पास कोई स्पष्ट दिशा नहीं है, कोई रोडमैप नहीं है, इसलिए पाकिस्तान में आतंकवाद एक धंधा बन चुका है।

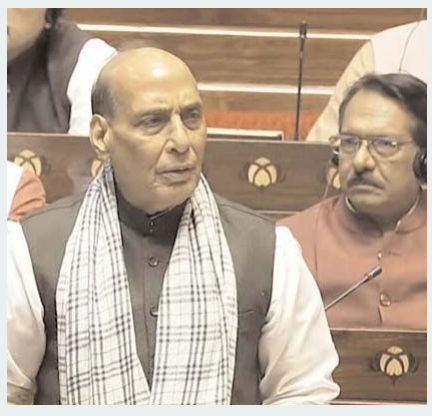

आज विपक्ष के हमारे साथियों का पीओके प्रेम देखकर मुझे एक गजल भी याद आ रही है, जिसका एक शब्द बदलकर मैं सुना रहा हूं। पीओके लुटने का सबब, पूछो न सबके सामने, नाम आएगा तुम्हारा, ये कहानी फिर सही। रक्षा मंत्री ने कहा कि देर से ही सही, अगर विपक्ष के हमारे साथियों को सद्बुद्धि आई है, तो मैं उन्हें आश्वस्त करता हूं कि यदि देश की जनता का आशीर्वाद रहा और ईश्वर की इच्छा रही, तो वह दिन दूर नहीं जब पाक अधिकृत कश्मीर के लोगों की भी घर वापसी होगी। मुझे विपक्ष के अपने साथियों की इस मांग पर इसलिए आश्चर्य हो रहा है क्योंकि विपक्ष में जो लोग आज बैठे हैं, जब उनकी सरकार थी, तो इन्होंने जो काम किया, वह आज की मांग के ठीक विपरीत है। मैं उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल का रहने वाला हूं, बनारस का रहने वाला हूं, और हमारी तरफ एक कहावत है कि 'बाप मरा अंधियारे मा, बेटवा क नाम पावर हाउस। यानी बाप जीवन भर अंधेरे में रहा और बेटे ने अपना नाम पावर हाउस रख लिया है।

अहमदाबाद की तरह अमेरिका में बोइंग 787 का हवा में इंजन फेल, मेडे, मेडे बोले पायलट, यात्रियों के उड़े होश

न्यूयॉर्क एजेंसी।

अहमदाबाद में बोइंग का विमान क्रैश होने के बाद अमेरिकी में भी इसी तरह की घटना सामने आई, जहां 787-8 ड्रीमलाइनर के उड़ान भरते ही इंजन फेल हो गया। इसके बाद पायलट को मेडे की घोषणा करनी पड़ी और विमान में हड़कंप मच गया।

घटना पिछले हफ्ते उस वक्त घटी जब यूनाइटेड एअरलाइंस की फ्लाइट यूए108 25 जुलाई को ट्रांसाटलांटिक के लिए वॉशिंगटन डलेस एअरपोर्ट से उड़ान भर रहा था, तभी उसका बायां इंजन खराब हो गया और पायलट को मेडे घोषित करना पड़ा। फ्लाइट ने जैसे ही वॉशिंगटन डलेस से उड़ान भरकर 5 हजार फीट की ऊंचाई पर पहुंचा, इसके कुछ ही देर बाद इंजन में खराबी की जानकारी मिली। चालक दल ने तुरंत आपातकाल की घोषणा की और सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग के लिए एअर ट्रैफिक कंट्रोलर्स के साथ मिलकर काम किया। फ्लाइटअवेयर के आंकड़ों के मुताबिक, फ्लाइट दो घंटे 38 मिनट तक हवा में रहा और वॉशिंगटन के उत्तर-पश्चिम में सुरक्षित रूप से ईंधन निकालने के लिए चक्कर लगाता रहा। इसके बाद फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग हो पाई। इस दौरान फ्लाइट के पायलटों ने विमान के वजन को नियंत्रित करने के लिए 6 हजार फीट की ऊंचाई बनाए रखी और एटीसी से फ्यूल डंपिंग के लिए लगातार अनुरोध किया।

ईंधन डंपिंग पूरी होने के बाद पायलटों ने रनवे 19 सेंटर पर इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) का इस्तेमाल करके उतरने की इजाजत मांगी। लैंडिंग के बाद बोइंग का ये विमान अपने आप आगे नहीं बढ़ पाया, उसे रनवे से बाहर खींचना पड़ा।

हर-हर महादेव से गूंज उठा भोरमदेव : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कर हजारों कांवड़ियों का किया भव्य स्वागत

रायपुर । सावन मास के तीसरे सोमवार को छत्तीसगढ़ के प्राचीन, धार्मिक, ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व के तीर्थ स्थल बाबा भोरमदेव मंदिर में भक्ति और श्रद्धा की गूंज उस समय चरम पर पहुँच गई जब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हजारों कांवड़ियों और शिवभक्तों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत और अभिनंदन किया। इस शुभ अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्रीद्वय विजय शर्मा और अरुण साव उपस्थित थे।

यह लगातार दूसरा वर्ष है जब मुख्यमंत्री स्वयं श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए पुष्पवर्षा कर रहे हैं। पुष्पवर्षा के पश्चात् मुख्यमंत्री साय ने बाबा भोरमदेव मंदिर पहुंचकर मंत्रोच्चारण, विशेष पूजा-अर्चना और रुद्राभिषेक किया तथा प्रदेश की समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री साय ने मंदिर परिसर में उपस्थित कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं से भेंट कर उनका हालचाल जाना और पूरे आत्मीय भाव से अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सावन मास के तीसरे सोमवार को बाबा भोरमदेव की पावन धरती पर शिवभक्तों के साथ जुड़ना मेरे लिए अत्यंत सौभाग्य और गर्व का विषय है। हजारों श्रद्धालु सैकड़ों किलोमीटर की पदयात्रा कर भगवान भोलेनाथ के दर्शन हेतु यहां पहुंचे हैं–यह हमारी आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की जीवंत मिसाल है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अमरकंटक से 151 किलोमीटर पदयात्रा कर भोरमदेव मंदिर में जलाभिषेक करने वाली पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा को भगवा वस्त्र और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के अंतर्गत भोरमदेव

कॉरिडोर विकास के लिए 146 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी परियोजना को मंजूरी दी गई है। यह परियोजना न केवल मंदिर परिसर का कायाकल्प करेगी, बल्कि मड़वा महल, छेरकी महल, रामचुवा से लेकर सरोदा जलाशय तक एक समग्र धार्मिक-पर्यटन कॉरिडोर के रूप में विकसित की जाएगी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ से अमरकंटक जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मध्यप्रदेश के अनूपपुर में 5 एकड़ भूमि आबंटन की प्रक्रिया जारी है, जहाँ एक भव्य श्रद्धालु भवन का निर्माण प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने सभी श्रद्धालुओं को सावन मास की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज हेलीकॉप्टर से की गई पुष्पवर्षा इस पुण्य अवसर की महत्ता को और भी अभूतपूर्व बना गई है।

पौराणिक परंपरा का गौरवः भक्ति से सराबोर हुआ बाबा भोरमदेव परिसर सावन मास में भगवान शिव–देवों के देव–के जलाभिषेक की परंपरा सदियों से चली आ रही है। कवर्धा से 18 किलोमीटर दूर ग्राम चौरा में स्थित 11वीं शताब्दी का यह भोरमदेव मंदिर ऐतिहासिक, धार्मिक और पुरातात्विक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है। श्रावण मास में छत्तीसगढ़ के कबीरधाम, मुंगेली, बेमेतरा, खैरागढ़, राजनांदगांव सहित मध्यप्रदेश के अमरकंटक से हजारों श्रद्धालु पदयात्रा कर बाबा भोरमदेव, बूढ़ा महादेव और डोंगरिया के प्राचीन जलेश्वर शिवलिंग में जलाभिषेक करने आते हैं।

बीजापुर के पर्यटन विकास को लेकर हुई सार्थक चर्चा

बीजापुर । जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल नंबी वॉटरफॉल को एक्सप्लोर करने आए 36क्रष्ट बाइक राइडर्स ग्रुप ने बीजापुर कलेक्टर संबित मिश्रा से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने बीजापुर भ्रमण के अपने अनुभव साझा किए और क्षेत्र की सुविधाओं को लेकर विचार रखे। राइडर्स ने विशेष रूप से नंबी क्षेत्र में पर्यटन संकेत बोर्डों की कमी का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि उचित दिशासूचक बोर्ड लगाए जाएं तो बाहरी पर्यटकों को काफी सुविधा होगी। पत्रकार एवं राइडर अमित बाघ ने बताया कि बीजापुर जैसे खूबसूरत लेकिन कम चर्चित जिलों को सही दिशा देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उनका यह यात्रा अनुभव काफी रोमांचक रहा, लेकिन पर्यटन स्थलों तक पहुँचने में स्पष्ट संकेतों की अनुपस्थिति एक बड़ी चुनौती है। राइडर्स ने जिले में मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी और स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति पर भी चर्चा की। इस पर कलेक्टर मिश्रा ने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन इन मुद्दों पर गंभीरता से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी समय में बीजापुर को बेहतर संचार व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं और पर्यटक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा। कलेक्टर ने कहा, बीजापुर छत्तीसगढ़ का एक ऐसा क्षेत्र है जिसे अब भी बहुत से लोग पूरी तरह से नहीं जानते, लेकिन यह जिला प्राकृतिक सौंदर्य और संस्कृति से भरपूर है। राइडर्स जैसे युवाओं की यात्रा और सुझाव इस क्षेत्र के विकास में उपयोगी सिद्ध होंगे।राइडर्स ने नंबी वॉटरफॉल सहित अन्य प्राकृतिक स्थलों की प्रशंसा करते हुए कहा कि बीजापुर में अपार पर्यटन संभावनाएं हैं।

मानसून गतिविधियां हुई कमजोर, किसान चिंतित, ट्यूबबेल से कर रहे रोपाई का कार्य

रायपुर । मौसम विभाग के अनुसार इस मौसम की गतिविधियां कमजोर हो गई है, जिसके चलते एक दो दिन पश्चात वर्षा होगी। सभी जिलों में वर्षा होने के कारण इस समय नदी नाले उफान पर चल रहे हैं।

मौसम वैज्ञानिक डॉ. से मिली जानकारी के अनुसार पुरी मध्य क्षेत्र से आने वाला अवदाब कमजोर पड़ गई है। पिछले दो दिनों से हो रही वर्षा के कारण नदी नाले उफान पर चल रहे हैं।

मौसम विभाग के वैज्ञानिक ने बताया कि एक अवदाब उत्तर छत्तीसगढ़ और उससे लगे झारखंड के ऊपर स्थित है। इसके लगातार पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए कमजोर होकर पूर्वी मध्य प्रदेश की ओर जाने की संभावना है। मानसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल पर अनूपगढ़, चूरू, ग्वालियर, रीवा, अवदाब के केंद्र, पुरुलिया, कोंटई और उसके बाद दक्षिण पूर्व की ओर पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी तक स्थित है।

प्रदेश में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश में एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ वज्रपात होने की संभावना है।

जल भराव को रोकने के लिए पार्षदों ने किया वार्डों का निरीक्षण

रायपुर, (आरएनएस)। लगातार हुई बारिश से रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 4 अंतर्गत पण्डित भगवती चरण शुक्ल वार्ड क्रमांक 57 अंतर्गत राजेन्द्र नगर बस्ती में जलभराव की समस्या आई. वार्ड 57 के पार्षद एवं एमआईसी सदस्य श्री अमर गिदवानी ने नागरिकों सहित वार्ड की राजेन्द्र नगर बस्ती क्षेत्र में जलभराव क्षेत्रों का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया और नागरिकों को गन्दे पानी की सुगम निकास व्यवस्था क्षेत्र में देने नाला, नाला व्यवहारिक आवश्यकता के अनुसार बनवाने पहल और कार्यवाही शीघ्र करने के प्रति आश्वस्त किया।

प्रदेश भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक में शामिल हुए स्वाधीन जैन

दल्ली राजहरा । भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा भारत के पूर्व राष्ट्रपति मिसाइल मैन, भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर डॉ कलाम यूथ स्टार्टअप अवॉर्ड 2.0 कार्यक्रम किया गया। 27 जुलाई को भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर रायपुर में अल्पसंख्यक मोर्चा छत्तीसगढ़ की आवश्यक प्रदेश बैठक आहूत की गई इस बैठक में शकील अहमद प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा की अध्यक्षता में प्रमुख रूप से पवन साय प्रदेश संगठन महामंत्री भाजपा छत्तीसगढ़ का मार्गदर्शन प्रदान हुआ। संजय श्रीवास्तव प्रदेश महामंत्री भाजपा तथा अध्यक्ष खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम छत्तीसगढ़, मोहम्मद सद्दाम मोर्चा प्रभारी एवं अध्यक्ष छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड, अमरजीत छाबड़ा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग, नजमा खान राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य, आरिफ खान सह प्रभारी अल्पसंख्यक मोर्चा, मिर्ज़ा ऐजाज बेग भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, नजमा खान प्रदेश महामंत्री, शाहिद खान एवं मखमूर इकबाल खान, प्रदेश नेता फैजान खान, संभाग प्रभारी अबरार सिद्दीकी, गगनदीप सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी स्वाधीन जैन, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कासिम कुरैशी, बालोद जिला महामंत्री दमनदीप सिंह, अंकित टाटिया सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे। संगठन महामंत्री पवन साय ने बताया कि जिले से मंडल, मंडल से बूथ स्तर तक की एप को डाउनलोड कराकर डॉक्टर कलाम यूथ स्टार्टअप अवार्ड 2.0 का फॉर्म ज्यादा से ज्यादा संख्या में 6 अगस्त तक फॉर्म भरना है।

अब कोई स्टूडेंट नहीं कहलाएगा बैक बेंचर; यू शेप में होगी बैठने की व्यवस्था

सहपाठी नहीं कर पाएंगे कमजोर बच्चों को प्रताड़ित

बकावंड । सरकारी हो या निजी स्कूल, हर जगह प्रायः यही देखने सुनने में आता है कि तेज बच्चों को तो क्लास रूम में सबसे सामने बिठाया जाता है और पढ़ाई में कमजोर अथवा थोड़ा खुराफाती किस्म के बच्चों को सबसे पीछे वाली बेंचेस या कुर्सियों में बिठा दिया जाता है। अब शिक्षा में यह कुशासन बंद हो रहा है और साय का सुशासन नजर आने लगा है। अब होशियार बच्चे या टीचर कमजोर बच्चों को बैक बेंचर कहकर उनका मनोबलनहीं गिरा पाएंगे, क्योंकि अब कोई विद्यार्थी बैक बेंचर रहेगा ही नहीं। अब सारे बच्चे यू शेप की टेबल कुर्सियों में बैठकर पढ़ाई करेंगे।

स्कूलों के होशियार विद्यार्थी और बड़े घरों के बिगड़े नवाबजादे अंतिम कक्षा की पंक्ति में बैठने वाले बच्चों को बैक बेंचर कहकर चिढ़ाते और प्रताड़ित करते हैं। इससे उन बच्चों का मनोबल टूटता है और वे हीन भावना का शिकार हो जाते हैं। मगर अब कोई भी बच्चा नहीं रहेगा बैक बेंचर। विकासखंड बकावंड के उलनार के डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में ग्रीष्म अवकाश के बाद नए सत्र में यू शेप में बैठक व्यवस्था करवाई गई है। दरअसल एंगेज 360 एक समग्र शिक्षा दृष्टिकोण है जो छात्रों के शैक्षिक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसे छात्रों के परिवेश, साथियों के साथ बातचीत, विषयों की प्रासंगिकता और पाठों की संवादात्मक प्रकृति को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसमें छात्रों के अकादमिक विकास के साथ-साथ उनके सामाजिक, भावनात्मक और शारीरिक कल्याण पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है। यह छात्रों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं, प्राथमिकताओं और सीखने की शैलियों को समझने पर जोर देने वाला जरिया भी है।यह शिक्षण प्रक्रिया जैसे कक्षा में सीखना, प्रौद्योगिकी का उपयोग और वास्तविक जीवन के अनुभव को एकीकृत करता है।

अंतरराज्यीय मोटर साइकल चोर गिरोह का पर्दाफाश, चोरी की चार मोटर साइकल को किया बरामद

जशपुर। पुलिस ने मामले में दो नाबालिको सहित 06 आरोपियों को किया है गिरफ्तार, जिसमें दो मोटर साइकल चोरी करने वाले व चार चोरी का माल खरीदने वाले शामिल मामला चौकी पंडरापाठ क्षेत्रांतर्गत आरोपियों के विरुद्ध चौकी पंडरा पाठ में बी एन एस की धारा 303(2),317(2) व 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध

* गिरफ्तार आरोपियों का नाम क्रमशः -1. हीरालाल रवि उम्र 21 वर्ष निवासी केरापाठ चौकी पंडरा पाठ, थाना बगीचा (छ.ग)। 2. विजय रवि उम्र 39 वर्ष, निवासी नवापारा थाना राजपुर, जिला बलरामपुर (छ ग)

3. धन साय रवि, उम्र 45 वर्ष निवासी छिछली (र) चौकी पंडरा पाठ थाना बगीचा जिला जशपुर (छ ग)। 4. मनोज कुमार रवि, उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम बिलासपुर, थाना बतौली, जिला सरगुजा (छ. ग)। 5. 17 वर्षीय दो नाबालिक विधि से संघर्षरत बालक। मामले का संक्षिप्त विवरण इस

प्रकार है कि प्रार्थी राकेश कविराज, निवासी महावीरपुर, संजय नगर थाना जयनगर जिला सूरजपुर ने चौकी पंडरा पाठ में रिपोर्ट दर्ज कराया, कि वह दिनांक 01.08.25 को अपने हीरो एच एफ डीलक्स मोटर साइकल क्रमांक छत्त-15छ्ह-8405 से कावण यात्रा हेतु चौकी पंडरा पाठ क्षेत्रांतर्गत ग्राम गायबुड़ा में आया था, व पार्किंग स्थल में अपनी मोटर साइकल को खड़ी कर, जल चढ़ाने गया था, कि दिनांक 02.08.24 को प्रार्थी ने जब सुबह आकर देखा तो पाया कि उसकी मोटर साइकल वहां नहीं थी, आस पास पता साजी किया कहीं पता नहीं चला, उसकी मोटर साइकल को किसी व्यक्ति के द्वारा चोरी कर लिया गया है। रिपोर्ट पर चौकी पंडरा पाठ में चोरी के लिए बी एन एस की धारा 303(2),317(2) व 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच विवेचना में लिया गया था। विवेचना के दौरान पुलिस

अखिल भारतीय अग्रवाल सभा की प्रांतीय इकाई की विचार गोष्ठी संपन्न

रायपुर। रायपुर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन छत्तीसगढ़ प्रांतीय इकाई की महत्वपूर्ण बैठक परिचर्चा सह विचार गोष्ठी का आयोजन अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग के मुख्य आतिथ्य में तथा राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल गोयल के विशिष्ट आतिथ्य में प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण कुमार अग्रवाल प्रदेश महामंत्री मुरलीधर अग्रवाल के अध्यक्षता में तथा समाज के विशिष्ट जनों की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ अग्रकुल प्रवर्तक भगवान महाराजा अग्रसेन के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया, छत्तीसगढ़ अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष कृष्ण कुमार अग्रवाल ने परिचर्चा एवं विचार गोष्ठी में पधारे सभी अतिथियों एवं अग्र बन्धुओं का अभिनंदन करते हुए छत्तीसगढ़ इकाई के द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों का वृत रखते हुए आज के परिचर्चा कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के आसंदी से दिए गए उदबोधन में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग ने सम सामयिक विभिन्न विषयों पर विचार रखते हुए महाराजा अग्रसेन के द्वारा किए गए पावन पुनीत कार्यों का संस्मरण दोहराया एवं सभी अग्र बंधुओ से सामाज हित राष्ट्रीय हित में कार्य करने का अनुरोध किया। उन्होंने समारोह में उपस्थित सभी अग्र बंधुओ से अपने विचार साझा करने का आग्रह किया जिस पर सभी पदाधिकारी एवं प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखते हुए समाज हित में अनेकों महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी पारित किया जिसमें प्रमुख रूप से समाज में समरसता लाने फिजूल खर्ची को रोकने जैसी बातों को ध्यान में रखते हुए वैवाहिक कार्यक्रम में परिणय संस्कार को दिन में करने का निर्णय लिया गया यह निर्णय भी लिया गया कि समाज को समरसता के साथ एक सूत्र में पिरोने का काम करेंगे सरकार द्वारा कराए जा रहे जातीय जनगणना में जाती के रूप में अग्रवाल उपनाम या जाति का उल्लेख कराना तय किया गया यह भी तय किया गया कि हम सभी विवाह सहित अन्य सुअवसरो पर मिलनी रस्म अदायगी के समय पहली मिलनी अपने पितर देव भगवान अग्रसेन जी के नाम की देने लेने की परंपरा बनाएंगे तथा

पुष्प वर्षा के साथ निकाली जाएगी भगवान श्री कृष्ण की पालकी यात्रा

राजनांदगांव । कोसरिया यादव समाज राजनांदगांव द्वारा श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव 16 अगस्त 2025 को बड़े हर्षोल्लास एवं बड़ी धूमधाम से मनाने हेतु विभिन्न वार्डो में निरंतर बैठक जारी है । इसी कड़ी में दिनांक 27/07/2025 दिन रविवार को सामुदायिक भवन भरकापारा वार्ड नं. 26 में बैठक आयोजित की गई। समाज के संगठन प्रभारी भोला यादव ने बताया कि बैठक की शुरूआत भगवान श्री कृष्ण की पूजा अर्चना एवं बैठक में आए समाज के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यो का गुलाल लगाकर स्वागत किया गया। सभी उपस्थित सदस्य एवं महिला मंडल पदाधिकारी सदस्यो ने अपने- अपने वार्डो से झाँकी लाने की जानकारी दी गई । साथ ही इस आयोजन में भगवान श्रीकृष्ण की पालकी यात्रा

में शुरूआत से समापन तक पुष्प वर्षा होगी। इस आयोजन को लेकर समाज के सभी सदस्यो में उत्साह का माहौल है । साथ ही साथ वार्ड स्तर बैठक में सभी सदस्यगण एवं महिला सदस्यो के बीच भारी उत्साह का माहौल है एवं भारी संख्या में बैठक में उपस्थित हो रहे है इस बैठक में जिलाध्यक्ष मन्ना यादव, जिला महिला मंडल अध्यक्ष शीला यादव, जिला युवाध्यक्ष हरिश यादव, नगर अध्यक्ष सूरज यादव, नगर महिला अध्यक्ष सुश्री मधु यादव, सचिव धरम यादव, कोषाध्यक्ष विजय यादव, नारायण यादव, मन्नु यादव, दिलीप यादव, राजेश यादव, पूनाराम यादव, दुष्यंत यादव, सौरभ यादव, राधेश्याम यादव, रवि यादव, राजू यादव, शैलेन्द्र यादव, बसंत कुमार यादव, मंगल यादव, गंगाधर यादव, प्रवीण यादव, बलीराम यादव, राजेश कुमार यादव, महिला मंडल मंजू यादव, मीना यादव, केशन यादव, सुनिता यादव, निर्मला यादव, संतोषी यादव, भारती यादव, अंजु यादव, रजनी यादव, लतिका यादव, कांता बाई यादव, कामनी बाई यादव, भारती बाई यादव, शांति बाई यादव, रूखमणी यादव, केवरा बाई यादव, हिरोंदी बाई यादव, कामिनी बाई यादव, शुकवारो बाई यादव, सुमित्रा बाई यादव, प्रिया यादव, नेहा यादव, कोमल यादव, कुमारी यादव, शैलेन्द्री यादव, दुर्गा यादव, महाबाई यादव, लीला यादव, बुधिया यादव, राजकुमारी यादव सहित भारी संख्या में सदस्यगण उपस्थित थे।

एक पेड़ शिवजी के नाम वृक्षारोपण फरहद में : नामदेव

राजनांदगांव। श्रीराम पुरम कालोनी फरहद (पनेका) में हरियाली का संदेश जन-जन में देने के उद्देश्य से कालोनी के दस एकड़ भूमि पर विकासशील कालोनी में हरियाली हेतु प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी उद्यानिकी विभाग राजनांदगांव के डायरेक्टर श्री राजेश शर्मा जी एवं पेण्ड्री नर्सरी के डहरिया जी के मार्गदर्शन में 70 पौधों का वृक्षारोपण श्रीराम पुरम कालोनी के अध्यक्ष दिनेश नामदेव के नेतृत्व में फूलदार एवं फलदार व शोपीस पौधों का वृक्षारोपण किया गया। दिनेश नामदेव ने आगे कहा कि घर के प्रत्येक सदस्य के नाम से एक पौधा जीवनकाल में अवश्य लगाना चाहिए व अन्य शुभ अवसरों पर जैसे जन्मदिन, विवाह, शादी की सालगिरह के अवसर पर वृक्षारोपण करके पर्यावरण संरक्षण व हरियाली का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का नेक कार्य सभी सदस्य जरूर करे। उपरोक्त कार्य में कालोनी के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में अध्यक्ष दिनेश नामदेव, उपाध्यक्ष राजू सिंह, सचिव वीरू साहू, कोषाध्यक्ष सूरज हरिहारनो, संगठन सांस्कृतिक सचिव संजू (संजय कुंवर दादरा), सहसचिव श्री रूद्रेश्वर भारद्वाज एवं संरक्षकगणों में सर्वश्री जागेश साहू, श्री जी.आर. देवांगन, श्री बेदूराम साहू एवं कालोनी के निवासरत सदस्यों में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान करने वालों में सर्वश्री राहुल मिश्रा, कमल साहू, अशोक कुडे, श्री दुर्गा प्रसाद सोनी, श्री देवेन्द्र पाल, श्री मुकेश शेण्डे, श्री संतोष टांडेकर, श्री गुणवंत सोनबोईर, श्री हरि साहू, श्री हुमेन्द्र कुंदन राजपूत, श्री विरेन्द्र हरिहारनो, श्री नंदलाल साहू, श्री पियूष देवांगन, श्री सुरेन्द्र

नागवंशी, श्री देवेश देशलहरे, श्रीमती चित्ररेखा करवार, श्रीमती दुर्गावती नामदेव,श्री उत्तरा लहरे, श्री एन.एस. महिपाल, श्री रमेश हेमलता रामटेके, श्री नोमदास साहू, श्री मोहन साहू, श्री चंद्रकुमार दुर्गा जागृत, श्री पप्पू देवांगन, श्री उज्जवल शर्मा, श्री संदीप वर्मा, श्री तारेन्द्र साहू, श्री शंकर साहू, श्री अरविन्द, श्री अखिलेश, श्री मिलेन्द्र दास कुंवरदादरा, श्रीमती संध्या साहू, श्री अवधराम साहू आदि कालोनीवासियों का सहयोग वृक्षारोपण हेतु प्राप्त हुआ। उपरोक्त जानकारी श्रीराम पुरम कालोनी फरहद (पनेका) राजनांदगांव, अध्यक्ष - दिनेश नामदेव, वरिष्ठ पत्रकार राजनांदगांव द्वारा विज्ञप्ति में दी गई।

कांवड़ यात्रियों के साथ विधायक भावना बोहरा ने भोरमदेव मंदिर में भोलेनाथ का किया जलाभिषेक

कवर्धा। 21 जुलाई को पंडरिया विधायक भावना बोहरा और उनके साथ 300 से अधिक कांवड़ियों ने माँ नर्मदा मंदिर अमरकंटक से भोरमदेव मंदिर तक 151 किलोमीटर की यात्रा शुरू की जो 27 जुलाई को भोरमदेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ जी की पूजा-अर्चना और जलाभिषेक के साथ पूर्ण हुई। छत्तीसगढ़ वासियों की सुख-समृद्धि एवं प्रदेश की खुशहाली की कामना हेतु यह कांवड़ यात्रा पंडरिया विधायक भावना बोहरा के नेतृत्व में शुरू की गई और 7 दिनों में घने जंगलों, पर्वतों, बीहड़ रास्तों, उफ्नती नदियों और घनघोर बारिश को पार करते हुए डोंगरिया महादेव एवं भोरमदेव मंदिर में शिवजी के जलाभिषेक के साथ पूरी हुई। सभी अवरोधों को पंडरिया विधायक भावना बोहरा और उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहे कांवड़ियों ने पार किया और मन में एक पवित्र संकल्प एवं भगवान भोलेनाथ के प्रति अपार आस्था के साथ निकली इस यात्रा में हर दिन एक नई उर्जा,उल्लास एवं उत्साह दिखाई दिया। 151 किलोमीटर की यात्रा पूर्ण कर भावना बोहरा और उनके साथ सभी कांवड़ियों ने यह जरुर साबित किया है कि यदि दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति के साथ मन में भक्ति और आस्था से आप अपने हर लक्ष्य और संकल्पों को पूरा कर सकते हैं। यह यात्रा छत्तीसगढ़ में अपने आप में एक मिसाल होगी यह पहला अवसर है कि एक महिला जनप्रतिनिधि ने प्रदेश व प्रदेशवासियों की मंगलकामना के लिए 151 किलोमीटर की कठिन यात्रा की और नारी शक्ति का एक सन्देश भी दिया है। यात्रा के अंतिम दिन पंडरिया विधायक भावना बोहरा और कांवड़ यात्रियों ने सुबह 7 बजे बोड़ला से अपनी यात्रा प्रारंभ की और दोपहर 12 बजे भोरमदेव मंदिर पहुंची। इस दौरान बोड़ला, में हजारों की संख्या में शिवभक्तों, सामाजिक व हिन्दू संगठनों, भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों ने पुष्पवर्षा करके उनका भव्य स्वागत किया। हर हर महादेव और बोल बम के नारों के साथ पूरा कवर्धा शिवभक्ति में लीन और भगवामय हो गया। इस दौरान भोरमदेव मंदिर में लगभग 5000 से अधिक शिवभक्तों ने मंदिर आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया ढोल-बाजो और भक्तिमय गीतों, पुष्पवर्षा से भावना बोहरा और उनके साथ पधारे कांवड़ यात्रियों का सभी ने अभिनंदन किया। यह पहला अवसर होगा जब भोरमदेव मंदिर में श्रद्धालुओं की इतनी भीड़ पहुंची जहाँ लोगों ने खुले दिल से भावना बोहरा और उनके साथ कदम मिलाकर चलने वाले कांवड़ियों की अमरकंटक से भोरमदेव तक कांवड़ यात्रा की प्रशंसा की। यह कांवड़ यात्रा माँ नर्मदा मंदिर अमरकंटक से प्रारम्भ होकर लम्हनी, वन ग्राम महामाई, खुड़िया,गौरकांपा, पंडरिया, मोहतरा, पांडातराई, डोंगरिया महादेव,बोड़ला होते हुए भोरमदेव मंदिर में पूर्ण हुई। इस दौरान भोरमदेव मंदिर में भंडारा एवं महाप्रसादी वितरण का भी आयोजन किया गया जिसमें 5000 से अधिक शिवभक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने भी भोरमदेव मंदिर में दर्शन करने हेतु पधारे श्रद्धालुओं और कांवड़ यात्रियों का अभिनंदन किया और प्रसाद वितरण किया।

30 को केबिनेट की बैठक में होंगे महत्वपूर्ण फैसले, धान खरीदी सहित अन्य बिंदुओं पर होगा फैसला

सांसदों के साथ दिल्ली में विकास सहित अन्य मुद्दों पर होगी चर्चा

रायपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में 30 जून को महानदी मंत्रालय में केबिनेट की महत्वपूर्ण फैसला होगा। जिसमें धान खरीदी एवं खरीफ फसल पर चर्चा होगी। मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय में दोपहर को केबिनेट की बैठक रखी गई है। बैठक की अधिकृत एजेंडा तैयार नहीं है। लेकिन बताया जाता है कि चालू वित्तीय वर्ष में धान खरीदी पर प्रमुख रूप से चर्चा होगी। धान खरीदी के लिए वित्तीय संसाधन बारदानों की कमी एवं धान खरीदी केंद्रों की व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए नोडल एजेंसी मार्कफेड को बनाया गया है। पिछले वर्ष 130 मीटरिक टन धान खरीदा गया था। उचित भंडारण एवं परिवहन नहीं होने के कारण 35 लाख टन धान नहीं बिक पाया।

केंद्र शासन द्वारा चालू वर्ष में चावल खरीदी का कोटा बढ़ा दिया है जिसके कारण अब ज्यादा से ज्यादा धान खरीदी होगी। पर्याप्त वर्षा होने के कारण धान की फसल अच्छी है इस समय चारों तरफ पानी गिर रहा है। सुविधानुसार राज्य शासन धान खरीदी एवं भंडारण की संख्या बढ़ाएगी।

प्रदेश के सभी 30 जिलों में हो रही अच्छी वर्षा के कारण धान की आवश्यकता है जिसके कारण शासन चिंतित जिसके लिए तरल नैनों डीएपी को मंगाया जा रहा है। इसे यूरिया में मिलाकर उपयोग में किया जाएगा। राज्य में एनपीके यूरिया फास्फोरस का भी उठाव हो रहा है। किसान सहकारी समितियों में इसे खरीदी रहे है। इधर डीएपी को लेकर सियसत तेज हो गई है।

अवैध शराब बेचते रंगे हाथ पकड़ा गया आरोपी, 50 पौवा देशी शराब जब्त

शराब पीने की सुविधा उपलब्ध कराने वाले संचालकों, सार्वजनिक स्थल पर शराब पीने वाले नशेड़ियों के विरुद्ध की गई छापामार कार्यवाही

बलौदाबाजार-भाटापारा, 28 जुलाई (आरएनएस)। होटल, ढाबा, ठेला आदि में लोगों को शराब पीने की सुविधा उपलब्ध कराने वाले संचालकों, अवैध रूप से चखना सेंटर का संचालन करने एवं सार्वजनिक स्थल पर बैठकर शराब पीने वाले आरोपियों के विरुद्ध की गई छापामार कार्यवाही। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में दिनांक 27.07.2025 को विशेष अभियान चलाकर शराब पीने, बैठने एवं अन्य सुविधा उपलब्ध कराने वाले तथा सार्वजनिक स्थल पर शराब पीने वाले कुल 15 होटल, ढाबा, ठेला, चखना सेंटर संचालकों पर की गई कार्यवाही। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में अवैध गतिविधियों में लिप्त आरोपियों, शांति भंग करने वाले असामाजिक तत्वों एवं जुआ, सट्टा का संचालन करने वाले तथा अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले आरोपियों की धरपकड़ कार्यवाही लगातार जारी है। इसी क्रम में जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस टीम द्वारा दिनांक 27.07.2025 को सायं क्षेत्र अंतर्गत शराब भट्टी के पास अवैध रूप से चखना सेंटर का संचालन करने वाले, सडक मार्ग के किनारे स्थित होटल, ढाबा, ठेला आदि में पीने, बैठने की सुविधा उपलब्ध कराकर अवैध रूप से शराब पिलाने वाले तथा सार्वजनिक स्थल पर बैठकर शराब पीने वाले कुल 15 आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही किया गया है। पकड़े गए सभी 15 आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत विधिवत कार्यवाही किया गया है।

आरोपियों के नाम

1. संतोष देवांगन उम्र 52 साल निवासी ग्राम रवान थाना सिटी कोतवाली
2. किशन पनका उम्र 35 साल निवासी ग्राम करमदा थाना सिटी कोतवाली
3. लक्ष्मी वर्मा उम्र 40 साल निवासी ग्राम करमदा थाना सिटी कोतवाली
4. विनोद वर्मा उम्र 52 साल निवासी ग्राम रवान थाना सिटी कोतवाली ।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अमरकंटक में श्रद्धालु भवन के लिए चिन्हांकित 5 एकड़ भूमि का किया निरीक्षण

छत्तीसगढ़ सरकार का बड़ा निर्णय, अमरकंटक में बनेगा सर्वसुविधायुक्त श्रद्धालु भवन

श्रद्धालुओं को मिलेगा सम्मानजनक विश्राम की सुविधा, देशभर के भक्तों को होगा लाभ

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को अब अमरकंटक में ठहरने और सुविधाओं की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। सावन मास में अमरकंटक प्रवास के दौरान उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मध्यप्रदेश के अनुपपुर जिले में छत्तीसगढ़ सरकार के लिए आबंटन हेतु चिन्हांकित 5 एकड़ भूमि का निरीक्षण किया। यह निरीक्षण श्रद्धालु भवन निर्माण की दिशा में एक ठोस पहल है, जिससे लाखों श्रद्धालुओं को लाभ मिलेगा।

निरीक्षण के दौरान उपमुख्यंत्री शर्मा ने भूमि की स्थिति, स्थल की उपयुक्तता एवं पहुँच मार्ग का अवलोकन किया। इस अवसर पर अनुपपुर और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिला प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित थे। भूमि के लिए पूर्व में दावा-आपत्तियाँ आमंत्रित की गई थीं, लेकिन निर्धारित अवधि तक कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई, जिससे अब भूमि का आवंटन सुनिश्चित माना जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप इस भूमि पर जल्द ही एक भव्य और सर्वसुविधायुक्त श्रद्धालु भवन का निर्माण किया जाएगा। इसमें ठहरने, भोजन, स्नान-शौचालय, प्राथमिक उपचार, पार्किंग और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ से प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में कांवड़िये, श्रद्धालु और पर्यटक अमरकंटक पहुँचते हैं। अब तक उन्हें वहाँ ठहरने व मूलभूत सुविधाओं के अभाव में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि इस भवन से छत्तीसगढ़ के कांवड़ियों, श्रद्धालुओं और भक्तों के साथ-साथ देश के अन्य राज्यों से अमरकंटक आने वाले श्रद्धालुओं को भी लाभ मिलेगा।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि यह भवन न केवल सुविधा केंद्र होगा, बल्कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपराएं, लोक आस्था और धार्मिक पहचान का प्रतीक भी बनेगा। यह भवन श्रद्धालुओं की सेवा के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को भी जीवंत बनाएगा।

217वीं वाहिनी केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने मुख्यालय कोन्टा प्रांगण में मनाया 87वां स्थापना दिवस

सुकमा । केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 87वां स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर रविवार को पुलिस उप महानिरीक्षक (परिचालन) रेंज कोन्टा एवं 217वीं वाहिनी केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के मुख्यालय कोन्टा प्रांगण में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 87वां स्थापना दिवस बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राजेश पांडे, पुलिस उप महानिरीक्षक (परिचालन रेन्ज कोन्टा), और विजय शंकर (कमांडेन्ट 217 बटा0) ने देशहित के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले सभी वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर राजेश पांडे, पुलिस उप महानिरीक्षक (परिचालन रेन्ज कोन्टा) ने स्पेशल गार्ड से सलामी ली और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के स्थापना, बल के इतिहास और बल के महत्व के बारे में उपस्थित अधिकारीगण, अधिनस्थ अधिकारीगण और जवानों के साथ साझा किया तथा सभी जवानों को बल के लिए अच्छा कार्य करने व प्रशिक्षण कौशल को बढाने के लिए प्रेरित किया।

जर्जर भवनों की मरम्मत पर दें विशेष ध्यान : महेश कुंजाम

जिला पंचायत के स्थायी शिक्षा समिति की बैठक संपन्न

सुकमा। जिला स्तरीय शिक्षा समिति की बैठक शनिवार को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं सभापति जिला शिक्षा समिति महेश कुंजाम ने की। बैठक में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती लीना ओयाम और सोयम भीमा भी उपस्थित रहे। बैठक में शिक्षा विभाग की योजनाओं और योजनाओं के क्रियान्वयन के बारे में समीक्षा की गई। जिला शिक्षा अधिकारी जीआर मंडावी के द्वारा जिले के स्कूलों में चल रहे निर्माण कार्यों, स्कूलों की दर्ज संख्या, प्राप्त विभागीय बजट, कार्यरत और रिक्त शिक्षक पद एवं शिक्षा विभाग के विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। शाला त्यागी बच्चों को पुनः स्कूल में लाकर शिक्षा के मुख्य धारा में जोड़ने के लिए जनप्रतिनिधियों और समाज के प्रमुख व्यक्तियों के सहयोग पर भी चर्चा की गई। उन्होंने स्कूलों में शिक्षा विभाग द्वारा बालिका सुरक्षा को लेकर मायद नूनी कार्यक्रम के बारे मे जानकारी दी। स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित कर स्कूलों के संचालन के संबंध में चर्चा हुई। सदस्य सोयम भीमा ने से गगनपल्ली क्षेत्र के स्कूलों की मरम्मत की बात कही। शिक्षा समिति के सभापति महेश कुंजाम ने हॉस्टल, आश्रम को शिफ्ट करने के बारे में चर्चा की। विभाग के साथ जनप्रतिनिधि समन्वय स्थापित करते हुए छात्रहित में काम करेंगे। बैठक में डीएमसी उमा शंकर तिवारी, जिला खेल अधिकारी विरूपाक्ष पौराणिक, एडीपीओ नारायण वर्मा, समस्त एपीसी, साक्षरता नोडल, समस्त बीईओ, बीआरसी एवं एबीईओ उपस्थित रहे।

कारगिल के वीर सपूतों को एनसीसी कैडेट्स ने दी श्रद्धांजलि

जगदलपुर । स्वामी आत्मानंद शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला क्रमांक 2 के एनसीसी कैडेट्स द्वारा कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को विनम्र श्रंद्धाजलि दी गई। दिनॉक 26 /07/25 को सेजेस शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 02 में संचालित एनसीसी के सिनियर विंग्स 1 सीजी गर्ल्स बटालियन परचनपाल और जूनियर विंग्स 10 सीजी स्वतंत्र कंपनी के कैडेटस और छात्र - छात्राओं ने मिलकर कारगिल विजय दिवस के पावन अवसर पर देश भक्ति गतिविधियों के साथ मनाया। जिसमें भाषण गीत -संगीत कविता, चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी भावनाओं को रंगों के माध्यम से वीर शहीदों के शौर्य और बलिदान को चित्रित किया। संस्था की प्राचार्य सुधा परमार ने अपने संबोधन में आसान शब्दों में कारगिल युद्ध के कारण और महत्व बताए। इस सभी बच्चों में देशभक्ति और प्रेरणा का संचार हुआ। मंच संचालन करते हुए एनसीसी ऑफिसर कैप्टन हेमपुष्प लता ध्रुव ने शहीद हुए वीर जवानों के नाम एवं उन्हें प्राप्त पदक की जानकारी दी। एनसीसी की थर्ड ऑफिसर जैमवती ठाकुर ने प्रेरणादायक उद्बोधन दिया। साथ ही शाला के शिक्षक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान एवं 2 मिनिट का मौन धारण कर शहीदों को नमन किया। इसके साथ ही संध्या समय में जगदलपुर स्थित अमर शहीद स्मारक में एनसीसी कैडेटस ने मोमबत्ती जलाकर और पुष्पांजलि अर्पित कर शहीद वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी।

महाविद्यालयों के अतिथि प्राध्यापकों को वेतन के लाले ,प्रति क्लास के हिसाब से पैसा देने की नई

कई महाविद्यालय प्राथमिक शालाओं में चल रहे

रायपुर। प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग का हाल बेहाल है। इस समय अतिथि प्राध्यापक के रूप में करीब 3 हजार से अधिक प्राध्यापक काम कर रहे है लेकिन उनके वेतन के लाले पड़े हुए हैं। कई महाविद्यालय इस समय प्राथमिक शालाओं में चल रहे हैं। वहीं प्राध्यापकों की कमी होने के कारण शैक्षणिक सत्र प्रभावित हो रहे हैं। बताया जाता है कि नई नीति के अनुसार अब सहायक प्राध्यापकों को पर क्लास के हिसाब से दिया जाएगा।

उच्च शिक्षा संचालनालय से मिली जानकारी के अनुसार पूरे प्रदेश में शिक्षकों का टोटा है इस समय अतिथि प्राध्यापकों की नियुक्ति की गई है। इनकी संख्या इस समय 3 हजार के आसपास हो गई है। हिंदी गणित, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान होम साइंस तथा केमेस्टी विज्ञान भौतिक सहित अन्य विषय पढ़ाते हैं। कई महाविद्यालय सिर्फ इनके भरोसे चल रहे है । नियमानुसार इन्हें निर्धारित वेतनमान दियाजाता है। जबकि नियमित रूप से सहायक प्राध्यापक की मासिक वेतन डेढ़ लाख रुपये से अधिक है।

अतिथि प्राध्यापकों ने बताया कि मानसून सत्र के पहले उन्हें वेतन देने के लिए सरकार द्वारा आश्वासन दिया गया था लेकिन यह वेतनमान सत्र प्रारंभ होने के बाद भी नहीं मिला है। कई परिवारों के सामने रोजी रोटी की समस्या खड़ी हो गई है। उच्च शिक्षा आयुक्त संतोष देवांगन एवं सचिव बसव राजू से कई बार मुलाकात करने के बाद इसका कोई निराकरण हो पाया है। अतिथि प्राध्यापकों का कहना है कि इस समय वेतन नहीं मिलने से वे परेशान है तीन माह का वेतन नहीं मिला है। प्रदेश में सहायक प्राध्यापकों का टोटा है पीएससी को फाइल भेजी गई है लेकिन इसका कोई फाइनल रिजल्ट नहीं आया है। रूसे के सहयोग से भी महाविद्याल चल रहे हैं। राजधानी के चार से अधिक महाविद्यालय भवनविहीन है। यह महाविद्यालय प्राथमिक शालाओं में लगते है जिसके कारण उच्च शिक्षा की हालत काफी दयनीय है। पूरे प्रदेश में सहायक प्राध्यापक नहीं होने के कारण शैक्षणिक कलेंडर प्रभावित हो रहा है। इस समय शालाओं में प्रवेश चल रहा है कई कालेज में पढ़ाई शुरू हो गई है। उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार शासन द्वारा अतिथि प्राध्यापकों को निश्चित वेतनमान नहीं दिया जाएगा बल्कि उन्हें पर क्लास के हिसाब से पैसा दिया जाएगा इससे सहायक प्राध्यापकों में नाराजगी है। उच्च शिक्षा विभाग में नये कोर्स को अनुमति नहीं मिल रही है वर्तमान आयुक्त संतोष देवांगन आईएएस अवार्ड के होने नहीं आ रहे है जिसके कारण काफी परेशानी हो रही है। यहां पर वरिष्ठ प्राध्यापकों को प्रचार बनाने की फाइल लंबित है।

शासन की योजनाओं से संबंधित जनमन पत्रिका का कन्या महाविद्यालय के छात्रों को किया गया वितरण

रायपुर। राजा विजय भूषण देव कन्या महाविद्यालय जशपुर के छात्रों को जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित छत्तीसगढ़ शासन की योजनाओं से संबंधित पत्रिका जनमन, सहित अन्य प्रचार सामग्री का वितरण किया गया। कन्या महाविद्यालय की छात्रा कु.अल्पना भगत, मंगला बेक, विनीता यादव, लक्ष्मी तिर्की एवं ओजकुमारी नाग ने कहा कि पत्रिका का अध्ययन सभी छात्रों के लिए लाभप्रद है। पत्रिका में ग्रामीणों, किसानों, सहित युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए शासन द्वारा संचालित अनेक योजनाएं की जानकारी शामिल है। छात्रों ने कहा कि पत्रिकाओं के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक समसामयिक घटनाओं एवं सामान्य ज्ञान की जानकारी भी मिलती है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

आतंकवाद से निपटने की सीख देता भारत

अमेरिका विरोधी रुखखासकर पश्चिमी देशों को सीधा टक्कर देने वाला रुख भारत का कभी नहीं रहा है। भारत आतंकवाद से निपटने को चुनौती के तौर पर देख रहा है, मगर वह अपनी वैश्विक छवि व कूटनीतिक चुनौतियों पर आंच नहीं आने देना चाहेगा। बेशक, भू-राजनीतिक परिदृश्य में आ रहे बदलावों को देखते हुए रूस व चीन दुनिया के समक्ष अपनी ताकत का मुजाहिरा करने को बेताब हैं। एशिया के सभी प्रमुख देशों को अपनी प्राथमिकताओं का ख्याल रखते हुए आतंकवाद से जूझना है। गलवान गतिरोध के बाद भारत-चीन संबंधों में संभावित परस्परता, संबंधों में सुधार व कूटनीतिक नरमी के संकेत के रूप में लिया जा सकता है। 2023 में मोदी ने इस सम्मेलन में वचरुली शिरकत की थी जबकि बीते वर्ष उनकी अनुपस्थिति को घटते सामरिक महत्व से जोड़ कर देखा गया। हालांकि रूस कभी नहीं चाहता कि ऐसा कोई भी संगठन चीन के प्रभुत्व वाला मंच बन जाए।

वायु प्रदूषण से स्मृति-लोप का बढ़ता खतरा

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

पर्यावरण की उपेक्षा एवं बढ़ता वायु प्रदूषण मनुष्य स्वास्थ्य के लिये न केवल घातक हो रहा है, बल्कि एक बीमार समाज के निर्माण का कारण भी बन रहा है। हाल ही में हुए एक मेटा-अध्ययन ने वायु प्रदूषण और बिगड़ती स्मृति के बीच एक खतरनाक संबंध का खुलासा किया है। हवा में मौजूद विषैले कण-खासकर महीन धूल और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें, जो मुख्य रूप से वाहनों और औद्योगिक प्रक्रियाओं से निकलती हैं, हमारे मस्तिष्क को सीधे प्रभावित कर रही हैं। यह व्यापक शोध लगभग 3 करोड़ व्यक्तियों से जुड़े 51 अध्ययनों पर आधारित है। ये निष्कर्ष भारत जैसे देशों के लिए विशेष रूप से चिंताजनक हैं, जहाँ वायु प्रदूषण का स्तर दुनिया में सबसे अधिक है। अगर धनी और विकसित देश भी प्रदूषण के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों से जूझ रहे हैं, तो भारत लापरवाही बर्दाश्त नहीं कर सकता। वायु प्रदूषण से निपटना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि प्रदूषित हवा के नियमित संपर्क में रहने से मनोभ्रंश एवं स्मृति-लोप का खतरा काफी बढ़ जाता है, यह एक ऐसी प्रगतिशील स्थिति है जो स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं को क्षीण कर देती है। दुनिया भर में, लगभग 5.74 करोड़ लोग पहले से ही मनोभ्रंश से प्रभावित हैं। वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई न किए जाने पर, यह संख्या 2050 तक तिगुनी होकर 15.28 करोड हो सकती है। मनोभ्रंश अर्थात डिमेंशिया या भूलने की बीमारी का दुनिया में बढ़ता खतरा इतना बड़ा है कि आगामी पच्चीस वर्ष में इस बीमारी से ग्रस्त लोगों की संख्या तीन गुना हो जाएगी। शोधकर्ताओं ने वायु प्रदूषण में खासकर कार से निकलने वाले धुएं या उत्सर्जन को गंभीर माना है। उल्लेखनीय है कि लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण में रहने वाले लोगों के मस्तिष्क की कार्यक्षमता में एक दशक तक की गिरावट देखी जा सकती है, उदाहरण के लिए, लगातार जहरीली हवा में सांस लेने वाला 50 वर्षीय व्यक्ति 60 वर्षीय व्यक्ति के समान संज्ञानात्मक क्षमता प्रदर्शित कर सकता है। वायु प्रदूषण का सबसे पहला असर फेफड़ों और दिल पर पड़ता है, लेकिन यह वहीं तक सीमित नहीं रहता। हवा में मौजूद ये छोटे-छोटे कण हमारी सांस के जरिए खून में चले जाते हैं और फिर सीधे दिमाग तक पहुंच जाते हैं। इससे-याद रखने की क्षमता कमजोर होती है। ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है। सीखने और नई बातें याद रखने में दिक्कत होती है। कुछ मामलों में डिप्रेशन यानी अवसाद की संभावना बढ़ जाती है।

द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में पाया गया कि पीएम 2.5 (सूक्ष्म कण पदार्थ) में प्रति घन मीटर 10 माइक्रोग्राम की वृद्धि से स्मृति संबंधी बीमारियों का खतरा 17 प्रतिशत बढ़ जाता है। वाहनों के धुएँ और जलती हुई लकड़ी से निकलने वाले ब्लैक कार्बन में एक माइक्रोग्राम की भी वृद्धि से यह खतरा 13 प्रतिशत बढ़ जाता है। ये सूक्ष्म कण हमारे श्वसन और परिसंचरण तंत्र को दरकिनार कर मस्तिष्क तक पहुँच सकते हैं और सूजन व ऑक्सीडेटिव तनाव पैदा कर सकते हैं, जिससे अंततः न्यूरॉन्स को नुकसान पहुँचता है। इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। प्रदूषित हवा न केवल फेफड़ों और हृदय के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि याददाश्त, एकाग्रता, सीखने और भावनात्मक स्थिरता को भी कमज़ोर करती है। अध्ययनों से पता चला है कि उच्च प्रदूषण वाले क्षेत्रों में रहने वाले बच्चे स्वच्छ वातावरण में रहने वालों की तुलना में स्कूल की परीक्षाओं में खराब प्रदर्शन करते हैं। प्रदूषित हवा के संपर्क में आने वाले वयस्क अक्सर चिड़चिड़ापन, थकान और यहाँ तक कि अवसाद का अनुभव करते हैं। उनकी उत्पादकता और निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है।

प्रदूषण से प्रेरित स्मृति हानि का प्रभाव केवल व्यक्तियों तक ही सीमित नहीं है, यह शैक्षिक परिणामों, कार्यस्थल की दक्षता और सामाजिक निर्णय लेने को भी प्रभावित करता है। आँकड़े दर्शाते हैं कि उच्च-पीएम क्षेत्रों में लोग मौखिक प्रवाह, तर्क, सीखने और स्मृति परीक्षणों में कम अंक प्राप्त करते हैं, जो शिक्षा का एक पूरा वर्ष गँवाने के समान है। एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि कैसे किराने की खरीदारी जैसे नियमित कार्यों में संज्ञानात्मक विकर्षण प्रदूषण के संपर्क में आने से बढ़ जाता है। वृद्ध और कम शिक्षित व्यक्ति विशेष रूप से असुरक्षित होते हैं, अक्सर रोज़मर्रा के कार्य करने की क्षमता खो देते हैं और दूसरों पर अधिक निर्भर हो जाते हैं।

बढ़ते खतरे के बावजूद, चिकित्सा विज्ञान वर्तमान में मनोभ्रंश का कोई निश्चित इलाज नहीं देता है। मौजूदा उपचार सीमित और अक्सर अप्रभावी होते हैं, जिससे मरीज धीरे-धीरे अपनी याददाश्त और स्वतंत्रता खो देते हैं। अध्ययन के सह-प्रमुख लेखक, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के डॉ. क्रिस्टियन ब्रेडल इस बात पर ज़ोर देते हैं कि मनोभ्रंश की रोकथाम केवल स्वास्थ्य सेवा की ज़िम्मेदारी नहीं है। शहरी नियोजन, परिवहन नीतियां और पर्यावरणीय नियम, सभी इस संकट से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वायु प्रदूषण न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि सामूहिक सोच, जीवनशैली विकल्पों और पर्यावरणीय निर्णयों को भी विकृत करता है। बड़े पैमाने पर, यह शैक्षिक उपलब्धि में कमी, उत्पादकता में कमी, स्वास्थ्य सेवा के बढ़ते बोझ और गहरी होती आर्थिक असमानताओं में योगदान देता है। वाशिंगटन में 12 लाख लोगों पर किए गए एक अलग अध्ययन से पता चला है कि जंगल की आग के धुएँ के संपर्क में आने से, जो पीएम 2.5 के स्तर को बढ़ाता है, मनोभ्रंश का खतरा 18-21 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय द्वारा की गई एक और व्यापक समीक्षा (51 अध्ययनों में 2.9 करोड़ लोगों पर) ने पुष्टि की कि पीएम 2.5 के संपर्क में आने से मनोभ्रंश का खतरा 13-17 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। विज्ञान स्पष्ट है कि ये सूक्ष्म कण श्वसन तंत्र और मस्तिष्क में गहराई तक प्रवेश करते हैं, मस्तिष्क के कार्य को बाधित करते हैं और मानसिक गिरावट को तेज़ करते हैं।

हाल ही में चीन में हुए एक शोध में भी पीएम और नाइट्रोजन ऑक्साइड के संपर्क को मध्यम आयु वर्ग और वृद्ध लोगों में संज्ञानात्मक क्षमता में कमी, विशेष रूप से कार्यशील स्मृति में कमी से जोड़ा गया है। यह एक बढ़ता हुआ संकट है जिसके प्रभाव न केवल व्यक्तियों पर बल्कि पूरे समाज पर पड़ रहे हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि वायु प्रदूषण अब केवल खांसी या सांस की बीमारी तक सीमित नहीं है, यह चुपचाप हमारी स्मृति, संज्ञानात्मक कार्यों और मानसिक स्वास्थ्य पर हमला कर रहा है। लोग मानसिक थकान, अवसाद या चिड़चिड़ापन महसूस कर सकते हैं। सामूहिक स्तर पर, शिक्षा और उत्पादकता में गिरावट, स्वास्थ्य पर बढ़ता बोझ और आर्थिक असमानता बढ़ती है। अगर तत्काल और निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और बिगड़ेगी। वायु प्रदूषण शरीर में हानिकारक रासायनिक प्रतिक्रियाओं को जन्म देता है जो कोशिकाओं, प्रोटीन और डीएनए को नुकसान पहुँचाती हैं, जिससे मनोभ्रंश जैसी तंत्रिका संबंधी बीमारियों का मार्ग प्रशस्त होता है। उत्साहजनक रूप से, शोध बताता है कि वायु प्रदूषण को कम करने से स्वास्थ्य, आर्थिक, सामाजिक और जलवायु क्षेत्रों में दीर्घकालिक लाभ मिल सकते हैं। इससे मरीजों, परिवारों और देखभाल करने वालों पर बोझ भी कम होगा। अब हमें खुद से यह सवाल पूछना होगा कि हम न केवल अपने फेफड़ों, बल्कि अपने दिमाग की भी रक्षा के लिए कितनी दूर तक जाने को तैयार हैं?

यह निजी विचार है।

शिक्षक : ज्ञान के वाहक या वैचारिक प्रचारक?

संजय सक्सेना,लखनऊ

बरेली के महात्मा गांधी मेमोरियल इंटर कॉलेज में हिंदी के शिक्षक डॉ. रजनीश गंगवार द्वारा पढ़ी गई कविता ÷तुम कांवड़ लेने मत जाना÷ पर मचा बवाल सिर्फएक कविता पर विवाद नहीं है, बल्कि यह भारत में धार्मिक आस्था, शिक्षा, तर्क और अभिव्यक्ति की आज़ादी के बीच खिंची उस लकीर का उदाहरण है जो आज की तारीख में लगातार गहरी होती जा रही है। यह मामला दिखाता है कि आज के समय में शिक्षक, विद्यार्थी, समाज और राजनीति के बीच की संवेदनशील रेखाएं कितनी धुंधली होती जा रही हैं। कविता का मूल भाव यदि देखा जाए, तो छात्रों को पढ़ाई के लिए प्रेरित करना था। लेकिन जिस रूप में यह बात कही गई, उसमें धार्मिक प्रतीकों का प्रयोग इस तरह किया गया कि मामला श्रद्धा और तिरस्कार के बीच फंस गया। कविता की पंक्तियां थीं, ÷कांवड़ ढोकर कोई डीएम, एसपी नहीं बना है। भांग, धतूरा, गांजा, सुल्फा मद से कोई उद्धार नहीं हुआ है। तुम कांवड़ लेने मत जाना, ज्ञान का दीप जलाना।÷ शब्दों की गहराई को देखें तो यह सिर्फसलाह नहीं, बल्कि कटाक्ष था। 'कांवड़', 'गांजा', 'धतूरा', 'सुल्फा' जैसे शब्दों का संयोजन उस धार्मिक परंपरा पर प्रश्नचिह्न लगाता है जो करोड़ों लोगों के लिए एक श्रद्धा है। कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि एक भावनात्मक जुड़ाव भी है। इसमें सामूहिकता, अनुशासन, सेवा और संकल्प का भाव होता है। ऐसे में जब एक शिक्षक इसे इस तरह चित्रित करता है कि जैसे यह सिर्फ नशे और फालतूपन का प्रतीक है, तो समाज के एक बड़े हिस्से में आक्रोश पैदा होना स्वाभाविक है।

कविता के पक्ष में यह तर्क दिया जा सकता है कि शिक्षक ने बच्चों को शिक्षा की ओर प्रेरित करने के लिए यह उदाहरण दिया। लेकिन क्या प्रेरणा देने के लिए धार्मिक परंपराओं को नीचा दिखाना जरूरी हो जाता है? क्या कोई शिक्षक यह नहीं कह सकता था कि 'शिक्षा ही सर्वोत्तम साधना है' या 'ज्ञान का मार्ग ही सफलता का मार्ग है' बिना किसी धर्म, परंपरा या भावना पर कटाक्ष किए? जब बात शिक्षा की होती है, तो तटस्थता सबसे जरूरी तत्व बन जाती है। एक शिक्षक का हर शब्द विद्यार्थियों पर गहरा प्रभाव डालता है, ऐसे में उसकी बातों में संतुलन और संवेदनशीलता दोनों होनी चाहिए।

इस कविता की सबसे बड़ी विडंबना यह रही कि इसका संदर्भ भले ही शिक्षा था, लेकिन भाषा और प्रतीकों की वजह से यह सीधे धर्म से टकरा गई। और जब मामला धर्म बनाम शिक्षा में तब्दील होता है, तो वह केवल कक्षा तक सीमित नहीं रह जाता। फिर वह समाज की सड़कों पर उतर आता है। यही इस मामले में हुआ। सोशल मीडिया पर लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया दी, एफआईआर दर्ज हुई, शिक्षक को सस्पेंड किया गया और मामला राजनीतिक रंग में रंग गया। यहां यह सवाल उठता है कि क्या हमारे शिक्षक शिक्षा के नाम पर वैचारिक प्रचार कर रहे हैं? क्या यह कविता केवल छात्रों के लिए प्रेरणादायक थी या किसी गहरे वैचारिक आग्रह की परिणति थी? डॉ. गंगवार का अतीत अगर देखा जाए तो वे एक समय एबीवीपी से जुड़े रहे हैं, लेकिन उनकी कविता उस विचारधारा से मेल नहीं खाती। बल्कि उन्होंने जिस प्रकार की भाषा और प्रतीक का इस्तेमाल किया, वह उन्हीं लोगों की धार्मिक परंपराओं पर कटाक्ष करती है जिनके बीच वे पहले खड़े रहे थे। इसलिए एबीवीपी ने भी तुरंत उन्हें निलंबित कर दिया। यह विरोधाभास इस बात का संकेत है कि शिक्षा के क्षेत्र में अब केवल ज्ञान नहीं, विचारधारा भी प्रवेश कर चुकी है।

भारत जैसे देश में, जहां धर्म केवल आस्था का नहीं, बल्कि जीवन पद्धति का हिस्सा है, वहां किसी धार्मिक परंपरा को इस प्रकार नकारात्मक रूप में दिखाना केवल विवाद नहीं, बल्कि सामाजिक विभाजन को गहरा करना है। यह विभाजन दो ध्रुवों में बंटता जा रहा है एक ओर वे लोग हैं जो तर्क, वैज्ञानिक सोच और शिक्षा को सर्वोपरि मानते हैं और दूसरी ओर वे हैं जो परंपरा, आस्था और धार्मिकता को अपनी पहचान का मूल मानते हैं। लेकिन क्या यह जरूरी है कि ये दोनों विचारधाराएं एक-दूसरे की विरोधी हों? क्या हम ऐसा समाज नहीं बना सकते, जहां एक बच्चा शिवभक्त भी हो और वैज्ञानिक सोच वाला भी? **यह निजी विचार है।**

हिमालय की भौगोलिक संरचना को नजरअंदाज

सुरेश भाई

हिमालय में बाढ़ और भूस्खलन के चलते पर्यटकों और यात्रियों को बार-बार रोकना पड़ रहा है। गांव में रहने वाले लोग भारी बारिश के चलते रातभर सो नहीं पाते हैं।

ऐसी भी सैकड़ों बस्तियां हैं जिनके आसपास विकास के नाम पर चारागाह, जंगल, खेती, पुराने रास्ते, नहरें क्षतिग्रस्त हुए हैं और वहां से लोग भूस्खलन की डर से सुरक्षित स्थान की तरफ भाग जाते हैं। इस विषम परिस्थिति में गर्भवती महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सबसे अधिक तकलीफ में हैं।

पुराने समय में हिमालय के पर्वतीय अंचल में जब बरसात प्रारंभ होती थी तो लोग अपने मवेशियों को लेकर जंगल में घास के बीच में छानियां बनाकर निवास करते थे। जहां से वे दूध, घी, मक्खन बनाकर बेचते थे और उसके बदले उन्हें साल भर की राशन खरीदना होता था। तब उनके चारों ओर आज की जैसी आपदा की स्थिति नहीं थी और बारिश में लोगों को अपनी खेती-बाड़ी में बारहनाजा (एक ही खेत में 12 प्रकार की फसल) की फसलें तैयार होती दिखाई देती थी। हिमालय के नीचे मैदानी क्षेत्रों में रहने वाले लोग भी बरसाती मौसम में नदियों में बहकर जाने वाली उपजाऊ मिट्टी, पानी को अच्छी फसल के संकेत मानते थे।

अब वह पुराना समय चला गया है। गत वर्ष 2023-24 में जिस तरह की बाढ़ मध्य हिमालय से लेकर हिमाचल, जम्मू कश्मीर और पूर्वोत्तर राज्यों में 500 से अधिक लोग मारे गए थे।

उसकी पुनरावृत्ति सन 2025 की शुरु आती बरसात में ही दिख रही है। बरसात के मौसम का प्रभाव उत्तराखंड और हिमाचल पर सबसे अधिक है। केदारनाथ जाने वाले रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड राष्ट्रीय राजमार्ग पर पिछले वर्षो से सड़क चौड़ीकरण के बाद दर्जनों डेंजर जोन बने हुए हैं। जहां पर इस बार भी सोनप्रयाग के पास पहाड़ खिसकने से लगभग 1300 यात्रियों को रेस्क्यू करना पड़ा।

जून के अंत में यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिलाई बैंड के पास निर्माण कार्य में लगे 18 मजदूरों में से 9 मजदूर बहकर लापता हो गये थे। यहां पर बहुत लंबे समय से औजरी, डाबरकोट, कुथनौर, पालीगाड़, सिलाई बैंड, किसाला आदि स्थान भू-धंसाव के लिए संवेदनशील बने हुए हैं। 2023-24 की बरसात में भी यहां पर लगातार निर्माण का मलबा सड़क पर बहकर आया था। इसके बावजूद भी करोड़ों खर्च करने के बाद इस मार्ग को चौड़ीकरण करने से पहले भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र को बचाने के लिए जो वैज्ञानिक उपाय होने चाहिए थे उस पर ध्यान नहीं गया है, जिसके कारण लंबे समय से हर बरसात में यह स्थान यमुना नदी की तरफ टूट कर बह जाता है।

यमुनोत्री आने-जाने वाले तीर्थयात्री बड़ी मुश्किल से इस भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र से जान जोखिम में डालकर गुजरते हैं। जानकी चट्टी से यमुनोत्री तक 6 किमी के पैदल रास्ते पर भी एक दर्जन ऐसे संवेदनशील स्थान वैज्ञानिकों ने चिह्नित किए हैं जहां भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। इस बार भी यहां पर लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। अत- जरूरत है कि बहुत चौड़ी सड़क के स्थान पर जहां से भूस्खलन लगातार हो रहा है उस एरिया तक पहुंच बना करके ट्रीटमेंट

करने पर ध्यान देना चाहिए। सड़क मार्ग को इस डेंजर जोन पर अधिक चौड़ा करने की कोशिश करेंगे तो आने-जाने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

दूसरी ओर स्याना चट्टी के पास यमुना नदी पर झील बनने का खतरा बना हुआ है, जिस पर उत्तरकाशी के जिलाधिकारी प्रशांत आर्य लगातार नजर बनाए हुए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी यहां भूस्खलन क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण किया है। गंगा की सहायक नदी अलकनंदा, भागीरथी, भिलंगना, बालगंगा उफान पर हैं, लोग भारी बारिश और बाढ़ का सामना कर रहे हैं।

हिमाचल में पिछले 15 दिनों में लगभग 17 स्थानों पर बादल फटे हैं। अब तक लगभग 100 लोगों की जिंदगी चली गई है और 55 लोग लापता हैं। लगभग 80 हजार की आबादी पर भूस्खलन का खतरा मंडरा रहा है। पूर्वोत्तर राज्यों में दक्षिण-पश्चिम मानसून पहुंचते ही हाहाकार मच गया। ब्रह्मपुत्र समेत 10 नदियां उफान पर है। सिक्किम में भूस्खलन से सेना का एक शिविर दब गया जिसमें तीन जवान शहीद हो गए थे और 6 लोग लापता हैं। असम और अरु णाचल प्रदेश में भी 10-10 लोगों ने अपनी जान गंवा दी। 10 हजार लोग राहत शिविरों में रखे गए हैं। असम और मणिपुर में चार लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।

प्रभावित लोग महसूस कर रहे हैं कि हिमालय की भौगोलिक संरचना को नजरअंदाज करके जिस तरह से फोरलाइन मार्गों का निर्माण, वनों का कटान, बहुमंजिली इमारतें, हिमालय की संवेदनशील धरती के साथ विकास के नाम पर अनियोजित छेड़छाड़, बार-बार भूकंप आना, अनियंत्रित पर्यटन और पंचतारा संस्कृति ने अधिक उपभोग करने की चाह में संकट पैदा कर दिया है। निर्माण कार्य में प्रयोग होने वाले विस्फोट से मलबा नदियों में एकत्रित होकर बाढ़ के हालात पैदा कर रहा है। निर्माण कार्य में लगी जेसीबी मशीनों ने भी पहाड़ को हिला कर रख दिया है। जो हिमालय की भूगर्भिक बनावट के लिए बहुत खतरनाक है। यहां के पर्यावरण और जीवनशैली के अनुरूप विकास की नई रेखा खींचनी होगी और हिमालय पर विकास के नाम पर हो रहे मैदानों के अनुरूप जैसी छेड़छाड़ को रोका जाए।

यह निजी विचार है।

जगदीप धनकड़ का त्यागपत्र, कांग्रेस का रोनाधोना, अरविंद केजरीवाल का मिलना

अजय दीक्षित

क्या दो चार महीनों से पूर्व राष्ट्रपति किसी विशेष उधेड़ बुन में थे कि वे एनडीए के बिना समर्थन के उप राष्ट्रपति बने रहना चाहते थे। कम से कम उनके क्रियाकलाप तो यही इशारा कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और सर्वोच्च सत्ता को चुनौती देना चाहते थे। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने तो बकायदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस बात की चर्चा की थी क्योंकि जगदीप धनकड़ ने एक सार्वजनिक समारोह में शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में सरकार की कृषि नीति की आलोचना की थी। जगदीप धनकड़ ने जिस दिन त्यागपत्र दिया उससे पहले राज्यसभा में नेता केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जेपी नड्डा ने और संसदीय कार्य मंत्री श्री किरण जिजउ ने संसद से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आगाह किया कि जगदीप धनकड़ बेलगाम हो गए हैं और पूरे सत्र में सरकार की किरकिरी कराने पर आमादा है। इतना ही नहीं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने उस दिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के राज्यसभा में बिना नियम के सरकार के खिलाफ पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर पर बोल ने पर आपत्ति की लेकिन जगदीप धनकड़ ने मल्लिकार्जुन खड़गे को नहीं रोका ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जेपी नड्डा को कहा कि आप 4 बजे आयोजित बैठक में नहीं जाना । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से संपर्क स्थापित कर सलाह मुशबिरा किया तब तय हुआ कि त्यागपत्र ही उपाय है तब राष्ट्रपति ने जगदीप धनकड़ को बुलाया और वहीं पहले लिखे त्यागपत्र पर राष्ट्रपति भवन में ही हस्ताक्षर कराए।तब तक जगदीप धनकड़ को सम्मानजनक बिदाई की बात समझ में आ गई।

जेपी नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री श्री किरण जिजउ उप सभापति हरबंस को उप राष्ट्रपति के कक्ष में ले गए और चार्ज सौंपा ।दरअसल मामला शुरू हुआ राज्यसभा टीवी चैनल से वहां उप राष्ट्रपति कुछ नियुक्ति करना चाहते थे और ये वो लोग थे जो वामपंथी विचारधारा के होकर जगदीप धनकड़ के पुराने मित्र थे। लेकिन खबर लगने पर प्रधानमंत्री कार्यालय ने रोक लगा दी। इस कारण जगदीप धनकड़ ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया।इसी के साथ धनकड़ ने जस्टिस वर्मा को लेकर सुप्रीम कोर्ट को घेरा तो जस्टिस चंद्रचूड़ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिकायत की।। लेकिन धनकड़ यही नहीं रुके उन्होंने

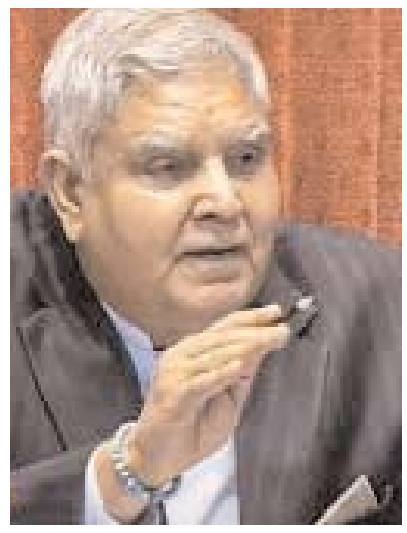

इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज श्री शेखर यादव के खिलाफ पेंडिंग महाभियोग प्रस्तावों को विचार के रखने के लिए राज्य सभा सचिवालय से कहा तो लोकसभा अध्यक्ष ओम विरला ने प्रधानमंत्री को बताया।

इतने पर भी प्रधानमंत्री ने सभी को संयम बरते जाने की सलाह दी और कड़ी निगरानी लगा दी।

अब जगदीप धनकड़ ने राज्यसभा के सदस्यों का गणित लगाया कि अगर भारतीय जनता पार्टी महाभियोग प्रस्ताव उनके खिलाफ लाएगी तो तीन चौथाई से पास न हो ऐसा इंतजाम किया जाए।तो उन्होंने अपने तार कांग्रेस पर फेंके

तो कांग्रेस तैयार हो गई। मल्लिकार्जुन खड़गे ने विश्वास दिला दिया कि अगर अरविंद केजरीवाल के दस सदस्य तैयार हो जाते हैं तो महाभियोग प्रस्ताव गिर जाएगा उन्होंने अरविंद केजरीवाल को एक दिन पहले ही घर बुलाया।कुछ आनाकानी के बाद वे भी मान गए।तब उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ ने उस दिन अपने रंग को बदल दिया।तब जाकर जेपी नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री श्री किरण जिजउ के कान खड़े हुए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चेते तब जाकर अंतिम हथियार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने समस्या हल की ।नहीं तो सरकार को राज्य सभा में इस सत्र में बड़ी समस्या से जूझ ना पड़ता । जगदीप धनकड़ के इस्तीफे की खबर सबसे अधिक रोनाधोना कांग्रेस ने ही किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ से इस्तीफा लिया गया है।आप नेता संजय सिंह बहुत दुखी हैं

समाजवादी पार्टी की ओर से कपिल सिब्बल ने कहा कि दाल में काला है ।यही कांग्रेस छह महीने पहले जगदीप धनकड़ को भारतीय जनता पार्टी का प्रवक्ता बता रही थी।

यह निजी विचार है।

24 देशों के सहयोग से, भारत आईबीसीए के माध्यम से वैश्विक बाघ संरक्षण में अग्रणी है

पीआईबी

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने आज राष्ट्रीय प्राणी उद्यान, नई दिल्ली में आयोजित वैश्विक बाघ दिवस 2025 समारोह की अध्यक्षता की।

इस अवसर पर श्री भूपेंद्र यादव ने बच्चों में पारिस्थितिक संतुलन, संरक्षण जागरूकता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता के महत्व पर बल दिया। श्री यादव ने वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता के संरक्षण के प्रति युवाओं को जागरूक करने के लिए विद्यालयों और शिक्षकों को बधाई दी।

वन्यजीव संरक्षण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का उल्?लेख करते हुए श्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्?द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत में बाघ अभयारण्यों की संख्या वर्ष 2014 में 46 से बढ़कर आज तक 58 हो गई है। यह वृद्धि हमारे राष्ट्रीय पशु की सुरक्षा के प्रति प्रधानमंत्री की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

श्री भूपेंद्र यादव ने राष्ट्रव्यापी वृक्षारोपण अभियान शुभारंभ करने की घोषणा की, जिसके अंतर्गत सभी 58 बाघ अभयारण्यों में 1 लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। इससे यह दुनिया में इस तरह के सबसे बड़े अभियानों में से एक बन जाएगा।

पर्यावरण के प्रति अधिक जागरूकता का आह्वान करते हुए श्री यादव ने बच्चों और नागरिकों से ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के अंतर्गत अपनी मां के नाम पर कम से कम एक पौधा लगाने का आग्रह किया, जो मातृ शक्ति और धरती मां दोनों के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जैसे हमारी मां हमारा पालन-पोषण करती है, वैसे ही धरती मां भी करती है। एक पेड़ पक्षियों को आश्रय देता है, बिना मांगे फल देता है और निस्वार्थ भाव से ऑक्सीजन प्रदान करता है। आइए हम सब अपनी माताओं और इस धरती के लिए एक पेड़ लगाएं।

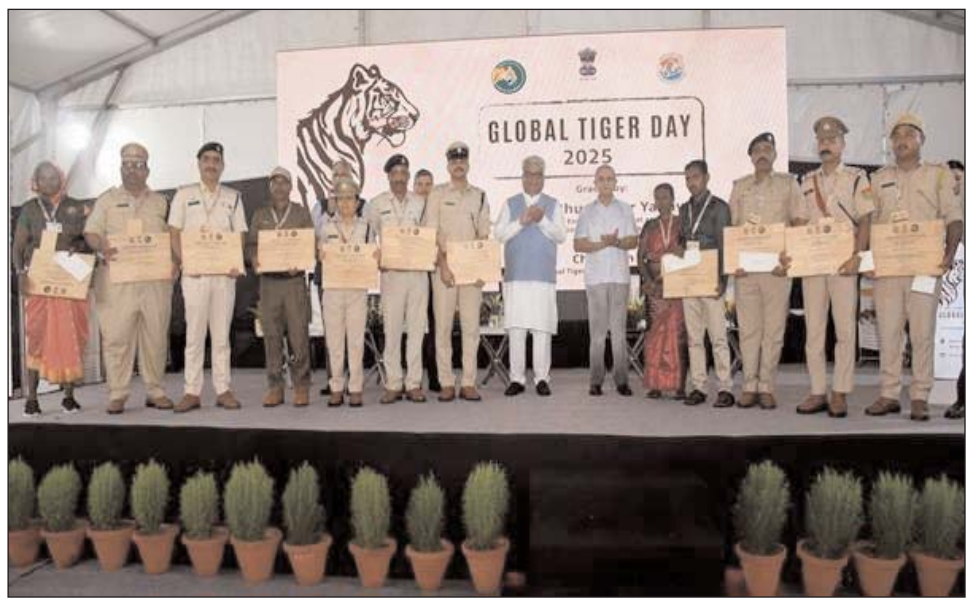

श्री भूपेंद्र यादव ने भारत द्वारा शुरू किए गए अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट अलायंस (आईबीसीए) की ओर भी ध्यान आकर्षित किया, जिसका उद्देश्य दुनिया भर में पाई जाने वाली सात बड़ी बिल्लियों का संरक्षण करना है। उन्होंने बताया कि 24 देश पहले ही इस वैश्विक प्रयास में शामिल होने के लिए सहमत हो चुके हैं और इसका मुख्यालय भारत में होगा।

श्री भूपेंद्र यादव ने युवाओं से दृढ़ संकल्प, धैर्य और विनम्रता का जीवन जीने और मिशन लाइफ के अंतर्गत संरक्षण प्रयासों के माध्यम से समाज में योगदान देने का आह्वान किया। उन?होंने कहा कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सच्ची प्रगति प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाए रखने में ही निहित है। बाघ जैसा सबसे शक्तिशाली प्राणी भी हमें विनम्रता सिखाता है। यही पारिस्थितिक संतुलन का सार है।

इस अवसर पर केंद्रीय वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री श्री कीर्ति वर्धन सिंह के साथ-साथ सरकारी अधिकारी, अग्रिम पंक्ति के वन कर्मचारी, वैज्ञानिक, संरक्षणवादी, गैर सरकारी संगठन, छात्र और सामुदायिक प्रतिनिधि सहित हितधारकों का एक विविध समूह भी उपस्थित था। विभिन्न हितधारकों की उपस्थिति ने बाघ संरक्षण में प्राप्त उपलब्धियों को बनाए रखने और आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक सामूहिक, बहु-हितधारक प्रयास की जानकारी दी।

2025 के समारोह का एक विशेष आकर्षण इको-शॉप प्रदर्शनी थी, जिसमें देश भर के विभिन्न बाघ अभयारण्यों की इको-शॉप प्रदर्शित की गईं। इन स्टॉलों पर पश्चिमी घाट और दक्षिणी भू-भागों से समुदाय-आधारित दीर्घकालिक उत्पादों और पर्यावरण-विकास उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध थी। ये उत्पाद सांस्कृतिक विरासत और पारिस्थितिक उत्तरदायित्व के सम्मिश्रण का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इको-शॉप प्रदर्शनी संरक्षण और सामुदायिक आजीविका के बीच महत्वपूर्ण संबंधों का उल्?लेख करते हुए यह दिखाती है कि कैसे स?थायी उद्यम मॉडल स्थानीय समुदायों को सशक्त बना सकते हैं, वन-आश्रित परिवारों को सहायता प्रदान कर सकते हैं तथा बाघों के आवासों पर दबाव कम करके और संघर्ष को कम करके संरक्षण लक्ष्यों में प्रत्यक्ष रूप से योगदान दे सकते हैं।

इस कार्यक्रम के दौरान, श्री यादव ने वर्चुअल माध्यम से भारत के सभी 58 बाघ अभयारण्यों में वृक्षारोपण अभियान का उद्घाटन किया। इस पहल के अंतर्गत प्रत्येक बाघ अभयारण्य, बाघ संरक्षण के लिए आवश्यक पारिस्थितिक आधार को मजबूत करने और आवास बहाली को बढ़ावा देने के लिए, बंजर क्षेत्रों में देशी पौधों की प्रजातियों के 2,000 पौधे लगाएगा। इस कार्यक्रम में अरावली परिदृश्य में तीन स्थानों पर वन नर्सरियों का उद्घाटन भी शामिल था, जो देशी प्रजातियों का उपयोग करके वनीकरण और दीर्घकालिक पारिस्थितिक अनुकूलता को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में काम करेंगी। इस दिन 'प्लास्टिक-मुक्त बाघ अभयारण्य' अभियान का भी शुभारंभ हुआ, जिसका उद्देश्य बाघ अभयारण्यों के भीतर सभी एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक के उपयोग को समाप्त करना है।

श्री भूपेंद्र यादव ने चार महत्वपूर्ण प्रकाशनों का भी अनावरण किया, जिनमें से प्रत्येक में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के अंतर्गत भारत के वन्यजीव संरक्षण के अनूठे पहलू पर प्रकाश डाला गया है।

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर जिले के दाचीगाम के पास मुठभेड़ में कम से कम तीन अज्ञात आतंकवादियों के मारे जाने के बाद सुरक्षाकर्मी सतर्कता बरत रहे हैं।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली सचिवालय में व्यय वित्त समिति की बैठक के दौरान कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा के साथ।

भारत में जनजातीय सांस्कृतिक केंद्रों की स्थिति और विस्तार

पीआईबी

भारत सरकार ने जनजातीय संस्कृति सहित लोक कला और संस्कृति के विभिन्न रूपों की सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन हेतु पटियाला (पंजाब), नागपुर (महाराष्ट्र), उदयपुर (राजस्थान), प्रयागराज (उत्तर प्रदेश), कोलकाता (पश्चिम बंगाल), दीमापुर (नगालैंड) और तंजावुर (तमिलनाडु) में मुख्यालयों के साथ सात क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (जेडसीसी) स्थापित किए हैं।

ये क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र देशभर में नियमित रूप से विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों और संगोष्ठियों का आयोजन करते हैं, जिसमें वे पूरे भारत से लोक/जनजातीय कलाकारों को शामिल करते हैं, जिन्हें इन कार्यक्रमों के दौरान अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर प्राप्त होता है। सभी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र अपने कार्यक्रम स्थलों जैसे सभागार, प्रदर्शनी दीर्घाएं, पुस्तकालय और कलाकारों और शिल्प प्रदर्शनों की मेजबानी के लिए शिल्पग्राम/कलाग्राम सुविधाओं के साथ कार्य करते हैं।

सभी क्षेत्रीय सामुदायिक केंद्र (जेडसीसी) आदिवासी भाषाओं, कहानियों, शिल्प और प्रदर्शन कलाओं को जीवित रखने के लिए निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन कर रहे हैं: -

स्थानीय लोगों और भाषा विशेषज्ञों की सहायता से लुप्तप्राय आदिवासी भाषाओं और बोलियों की रिकार्डिंग और दस्तावेज़ीकरण आदिवासी लोककथाओं और मौखिक इतिहास पर पुस्तकें, रिपोर्ट और कहानियों को प्रकाशित करना आदिवासी शिल्प, रंगमंच, संगीत और नृत्य पर प्रशिक्षण और प्रदर्शन कार्यशालाएं आयोजित करना वार्षिक आदिवासी उत्सव, शिल्प मेले और कला शिविरों का आयोजन करना।

भव्य रूप से आयोजित होगा संस्कृत शिक्षक महासम्मेलन
संस्कृत के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु संस्कृत शिक्षक महासम्मेलन का आयोजन

लोकशक्ति

संस्कृत भारती संगठन द्वारा संस्कृत भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन तथा संस्कृत के शिक्षकों को हो रही समस्याओं के निराकरण हेतु सरयूपारीण ब्राह्मण समाज भवन रायपुर में दिनांक 07/09/2025

समय प्रातः 10 बजे से संस्कृत शिक्षक महासम्मेलन का आयोजन किया गया है जिसमें मुख्य अतिथि मुख्यमन्त्री श्रीविष्णुदेव साय होंगे। गत दिनों संस्कृत भारती के प्रांतमंत्री डॉ. दादूभाई त्रिपाठी, प्रान्त संगठन मंत्री हेमन्त साहू, प्रान्त विद्वत् परिषद् प्रमुख डॉ. बहुरण सिंह पटेल एवं प्रान्त साहित्य प्रमुख डॉ. प्रवीण झाड़ी ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर कार्यक्रम हेतु समय लिया गया जिस पर मुख्यमंत्री जी ने सहमति व्यक्त किया तथा प्रदेश मे संस्कृत भारती द्वारा संस्कृत के लिए किये जा रहे कार्यों की प्रसंशा की।

डॉ. दादूभाई त्रिपाठी एवं डॉ. प्रवीण झाड़ी ने बताया कि संस्कृत से संस्कार है व संस्कृत से रोजगार है। संस्कृत केवल पूजा पाठ की भाषा नही बल्कि

इसके व्यापक उपयोग होने और संस्कृत विषय को प्रदेश मे बढ़ावा देने तथा संस्कृत विषय से रोजगार के अवसरों पर माननीय मुख्यमंत्री से व्यापक चर्चा किया गया। पिछले कुछ समय से प्रदेश के संस्कृत शिक्षकों को युक्तियुक्तकरण मे हो रही समस्या व स्कूलों में संस्कृत विषय के शिक्षकों की कमी तथा विभिन्न स्कूलों मे संस्कृत विषय के स्थान पर व्यवसायिक विषय लेने पर ध्यान आकृष्ट कराया गया। जिससे संस्कृत विषय लेकर आगे पढाई करने वाले बच्चों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ेगा।

संस्कृत भाषा के प्रचारक पं. चन्द्रभूषण शुक्ला ने बताया कि उक्त संस्कृत शिक्षक महासम्मेलन में पूरे प्रदेश के संस्कृत शिक्षक शामिल होंगे। ऐसा आयोजन प्रदेश मे पहली बार आयोजित है जिसे संस्कृत भारती के कार्यकर्ता सफल करने हेतु प्रयासरत हैं।

उदयपुर फाइल्स' पर दिल्ली हाईकोर्ट में 30 जुलाई को होगी सुनवाई

एजेंसी। राजस्थान के उदयपुर में हुए कन्हैया लाल हत्याकांड पर आधारित फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' की रिलीज को लेकर सोमवार को सुनवाई हुई। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि इस मामले की सुनवाई अब 30 जुलाई को होगी। कोर्ट को बताया गया कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने फिल्म में कुछ बदलावों के बाद इसे दोबारा सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से सर्टिफिकेट लेने को कहा है। कोर्ट के अनुसार, इस प्रक्रिया में समय लगेगा इसलिए फिल्म की रिलीज अभी टाल दी गई है। फिल्म के निर्माता की ओर से सीनियर एडवोकेट गौरव भाटिया ने कोर्ट में कहा कि मंत्रालय की सिफारिशों के अनुसार फिल्म में छह कट लगाए गए हैं और डिस्क्लेमर में भी बदलाव किया गया है। उन्होंने बताया कि पहले सीबीएफसी ने फिल्म को 55 कट के साथ मंजूरी दी थी, लेकिन अब नए बदलावों के बाद दोबारा सर्टिफिकेशन की जरूरत है। इस पर कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जल्दबाजी की जरूरत नहीं है और सर्टिफिकेशन पूरा होने के बाद ही फिल्म रिलीज हो सकती है।

स्टार्टअप पॉलिसी फ़ोरम की 'बिल्ड इन भारत' पहल के तहत साझेदारी का शुभारंभ

पीआईबी
एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने भारत में स्वच्छ परिवहन और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों के विकास में तेज़ी लाने के लिए भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी एथर एनर्जी लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। नवाचार-केंद्रित पचास से अधिक स्टार्टअप्स के गठबंधन स्टार्टअप पॉलिसी फ़ोरम (एसपीएफ) के नेतृत्व में 'बिल्ड इन भारत' पहल के अंतर्गत यह सहयोग किया जा रहा है।

यह समझौता ज्ञापन डीपीआईआईटी और एथर एनर्जी के बीच व्यापक साझेदारी की रूपरेखा प्रस्तुत करता है। यह साझेदारी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से संबंधित स्टार्टअप्स के रणनीतिक मार्गदर्शन, उन्हें इलेक्ट्रिक वाहनों से जुड़ी व्यावसायिक गतिविधियों और प्रक्रियाओं की मूल्य श्रृंखला से संबंधित बुनियादी ढांचे के निर्माण में सहयोग, भारत स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज जैसे संयुक्त नवाचार कार्यक्रमों, प्रतिभा और कौशल विकास पहलों की मिलकर मेजबानी, और स्टार्टअप महाकुंभ जैसे कार्यक्रमों में भागीदारी के साथ-साथ जमीनी स्तर पर अनुभव प्राप्त करने पर केंद्रित होगी।

डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव श्री संजीव सिंह और एथर एनर्जी के सह-संस्थापक एवं सीईओ तरुण मेहता की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस पहल से भारत में दीर्घकालिक परिवहन व्यवस्था की ओर संक्रमण को बढ़ावा मिलने और विनिर्माण की ओर बढ़ रहे स्टार्टअप्स को अधिक सक्षम करने के लिए आवश्यक वातावरण तैयार होने की उम्मीद है।

डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव श्री संजीव सिंह ने हस्ताक्षर समारोह में कहा कि ÷भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र बदलाव के महत्वपूर्ण दौर में प्रवेश कर रहा है। एथर एनर्जी के साथ इस साझेदारी के माध्यम से हमारा लक्ष्य ऐसे सक्षम वातावरण के विकास को गति प्रदान करना है जिससे स्टार्टअप ईवी निर्माण, बैटरी से संबंधित नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा से जुड़े समाधानों को हासिल करने में सार्थक योगदान दे सकें।÷

एथर एनर्जी के सह-संस्थापक और सीईओ तरुण मेहता ने इस अवसर पर कहा कि ÷हमें हार्डवेयर और डीप-टेक स्टार्टअप्स की सहायता के लिए उपयुक्त प्रणालियों को मजबूत करने के उद्देश्य से डीपीआईआईटी के साथ सहयोग करके प्रसन्नता हो रही है। यह पहल नीतिगत समर्थन और उद्योग जगत की मजबूत भागीदारी के साथ स्टार्टअप्स के संस्थापकों को उनकी मुख्य तकनीकी चुनौतियों से निपटने और भारत से उच्च-गुणवत्ता वाले उत्पादों का निर्माण बढ़ाने में मदद कर सकती है।÷

स्टार्टअप पॉलिसी फ़ोरम की अध्यक्ष और सीईओ श्वेता राजपाल कोहली ने कहा, ÷डीपीआईआईटी और एथर एनर्जी के बीच यह साझेदारी स्टार्टअप पॉलिसी फ़ोरम की बिल्ड इन भारत पहल को जीवंत बना रही है। इस सहयोग के माध्यम से भारत के विनिर्माण क्षेत्र की क्षमता को उजागर करना वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी नवाचार के अनुकूल परिवेश के निर्माण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।÷

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

ऑपरेशन उपहार के तहत अपने जन्मदिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक पहुंचे सोठी आश्रम

निराश्रित बच्चों एवं मरीजों के बीच मनाया अपना जन्म दिवस

जांजगीर-चांपा।

जिले के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय ने आज 29 जुलाई को अपने 51वें जन्म दिवस के अवसर पर सोठी में स्थित भारतीय कुष्ठ निवारक संघ कात्रे नगर मे अपना जन्म दिवस मनाया । इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने आश्रम में पहुंचकर सर्वप्रथम प्रबंधन से मुलाकात किया जहां आश्रम प्रबंधन के द्वारा मंदिर परिसर में सर्वप्रथम सिध्दीविनायक गणेश प्रतिमा में पूजा अर्चना कराया गया , तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक का आश्रम परिवार की ओर से स्वागत कर जन्म दिवस के अवसर पर शुभकामना प्रेषित किया गया । पुलिस अधीक्षक ने प्रबंधन एवं उपस्थित मरीजों को संबोधित किया एवं उनके द्वारा दिए गए सम्मान को एक अनोखा उपहार बताकर अपने जन्म दिवस को यादगार बताया । इस दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा जिले में संचालित ऑपरेशन उपहार के तहत व्यक्तिगत रूप से आश्रम प्रबंधन एवं मरीजों के उपयोग हेतु 120 नग चादर उपहार स्वरूप भेंट किया । भेट मुलाकात के पश्चात पुलिस अधीक्षक महोदय ने आश्रम परिसर में स्थित संत गुरु घासीदास चिकित्सालय का भ्रमण किया और चिकित्सालय में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त किया , तत्पश्चात प्रबंधन ने आश्रम परिसर में पुलिस अधीक्षक महोदय के जन्म दिवस के अवसर पर आंवला का पौधा लगाकर वृक्षारोपण किया । पुलिस अधीक्षक ने आश्रम परिसर का भ्रमण किया तथा प्रबंधन एवं मरीजों को भविष्य में किसी भी तरह की परेशानी या सहयोग की आवश्यकता पड़ने पर प्रत्यक्ष रूप से संपर्क करने के संबंध में चर्चा किया गया । इसके पश्चात पुलिस अधीक्षक महोदय जिले के अन्य संस्था हेल्प एण्ड हेल्पस पहुंचे तथा संस्था में निवास रथ निराश्रित बच्चों से मिलकर उनका हाल-चाल जाना और उन्हें उपयोग हेतु 30 नग जूते उपहार स्वरूप भेंट किया । संस्था में निवासरत बच्चों ने अपने बीच पुलिस अधीक्षक के साथ काफी समय व्यतीत किया जहां पुलिस अधीक्षक ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आगामी किसी भी तरह की परेशानी होने पर सीधे संपर्क करने बताया। दोनों संस्थाओं के प्रमुखों ने पुलिस अधीक्षक के इस अनूठे पहल की भूरी भूरी प्रशंसा की और समाज का एक पहलू जो समाज के मुख्य धारा से दूर है उनके बीच अपना कीमती समय बिताने पर दिल से धन्यवाद ज्ञापित किया ।

आबकारी विभाग जाँजगीर चांपा की कार्यवाही

जांजगीर चांपा /48 लीटर हाथ भट्ठी महुआ शराब के साथ आरोपी को पकड़ा गया है । यह कार्यवाही आबकारी आयुक्त श्याम धावड़े एवं कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार व प्रभारी सहायक आयुक्त आबकारी श्रीमति नीलिमा दीघ्रस्कर के विशेष मार्गदर्शन में की गई है । उक्त कार्यवाही में आज29 जुलाई को वृत्त-जाँजगीर के ग्राम खोखरा के आरोपिया साधीन बाई पति रामप्रसाद बरेठ उम्र-39 वर्ष साकिन-खोखरा थाना-जांजगीर,ज़िला -जाँजगीर चाँपा (छ.ग.)के रिहायशी मकान से 48 लीटर हाथभट्ठी महुआ शराब बरामद होने पर उक्त आरोपिया के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) की कार्यवाही कर जेल दाखिल किया गया ।

प्राण घातक हमला के फरार आरोपी पकड़ाए

जांजगीर-चाम्पा।

प्राणघातक हमला के फरार आरोपी को पामगढ़ पुलिस ने पकड़ा है ।मामले का विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 21जून 25 को 7.30 बजे करीबन अभिषेक गोस्वामी एवं जितेश राठौर उर्फराजा दोनो के बीच में आपस में आपसी रंजिश को लेकर बातचीत गाली गलौच हुआ था। अभिषेक गोस्वामी के पक्ष के लोग आपस में एक दुसरे से बातचीत कर रहे थे उसी समय जितेश राठौर का बड़ा भाई दिलीप राठौर और उसका पिता राधेश्याम राठौर मोटर सायकल से जितेश राठौर के ससुराल घर जा रहे थे तब अभिषेक गोस्वामी के पक्ष के द्वारा राधेश्याम राठौर को बोला कि जितेश राठौर को बुलाना बातचीत करना है और मामला को

सुलझाना है। इतना बोलकर चले गयें कुछ देर बाद राधेश्याम राठौर अकेले मोटर सायकल से आ रहा था तो पूनः उसको बोला कि तुम्हारे तिनो लड़को को बुलाओ आपसी बातचीत करना है, नही आने से रात्रि करीबन 10 बजे अभिषेक गोस्वामी द्वारा अपने साथियों को बोलकर घर जा रहा हू कहकर चला गया, राधेश्याम राठौर के घर के सामने से पैदल जा रहा था कुछ समय बाद जोर से मार दिया रे कहकर चिल्लाने की आवाज आया तो उसके दोस्त लोग वहां पर गयें तो देखे कि दिनेश राठौर अपने हाथ में तलवार रखा था और पास में अमन राठौर और उसके दादा राधेश्याम राठौर अपने रोड के घर के सामने खड़ा था । अभिषेक गोस्वामी के गर्दन में चोट लगा था जिसको उसके साथियों द्वारा तत्काल जिला अस्पताल जांजगीर में इलाज हेतु ले गया जहां डाक्टर द्वारा चोट की गंभीरता को देखते हुए उसके बिलासपुर अस्पताल रिफर कर दिया गया।

प्रकरण के आरोपी दिनेश राठौर जो घटना घटित कर फरार था जिसकी लगातार पातासाजी की जा रही थी जिसको पुलिस अधीक्षक जांजगीर विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में आरोपी को पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार करने पर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही मे उप निरी. मनोहर सिन्हा थाना प्रभारी पामगढ़, सउनि. रामदुलार साहू , प्रधान आर. मारकंडे, आरक्षक श्याम सरोज ओग्रे, विश्वजीत आदिले, चंद्रशेखर कैवर्त, उमेश ?दिवाकर, राघवेंद्र घृतलहरे, लखेस विश्वकर्मा, महेश राज एवं थाना पामगढ़ स्टाफ का योगदान रहा।

हरियाली तीज उत्सव में आकृति रि-लोडेड थीम की मची धूम

एबीवीटीपीएस के आकृति महिला मंडल ने मनाया हरियाली तीज उत्सव

जांजगीर चांपा - अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा के आवासीय परिसर स्थित सीनियर क्लब में आकृति महिला मंडल द्वारा हरियाली तीज उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी की प्रथम महिला श्रीमती प्रभा कटियार रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती प्रभा कटियार द्वारा दीप जलाकर किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में हरियाली तीज उत्सव की भरपूर सराहना की। तीज उत्सव में हरियाली क्वीन गोल्डी नेताम चुनी गईं।

तीज उत्सव का सफल आयोजन आकृति महिला मंडल की अध्यक्ष शशि कोसरिया के मार्गदर्शन में हुआ। तीज उत्सव की थीम ''आकृति रि-लोडेड'' पर आधारित रही। इसमें विश्व के अलग-अलग नृत्य विधाओं की रंगारंग प्रस्तुति दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत की गईं। इनमें प्रमुख रूप से बेली डांस, क्लासिकल डांस, गरबा नृत्य, घूमर नृत्य और वेस्टर्न डांस शामिल हैं। विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रेरणा महिला मंडल कोरबा पूर्व की अध्यक्ष द्वय निवेदिता बंजारा व अलका कंसल और संकल्प महिला मंडल कोरबा पश्चिम की अध्यक्ष रूबी श्रीवास्तव शामिल हुईं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आकृति महिला मंडल की उपाध्यक्ष अनीता द्विवेदी, गंगोत्री ध्रुव एवं विजया शाह, सचिव प्रीति बंजारे, सह-सचिव अर्चना लकड़ा, कोषाध्यक्ष सुनीता परगनिहा, क्रीड़ा सचिव देवश्री ठाकुर व यशु साहू, सांस्कृतिक सचिव दिव्या पित्रोदा और अपर्णा झा का विशेष योगदान रहा। तीज उत्सव में महिला मंडल के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

जीडी पवार प्लांट में घुसकर कर्मचारियों से मारपीट व तोड़फोड़ करने वाले पांच आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

जांजगीर चांपा /

जीडी पावर प्लांट के अंदर घुसकर कर्मचारियों से मारपीट व तोड़फोड़ मामले में पांच आरोपी चांपा पुलिस के हत्थे चढ़ा है , जिसमें मनीराम बरेठ , नागेश्वर बरेठ , शिवशंकर बरेठ, देवचरण बरेठ , अतुल बरेठ सभी निवासी फरसवानी शामिल है। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी दीपक दास महंत निवासी बरपाली चौक चांपा ने दिनांक 25 जुलाई 2025 को थाना चांपा में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि वह दिनांक 23 जुलाई 25 को सुबह 6 से दोपहर 2 तक ड्यूटी पर बॉयलर डेस्क का ऑपरेटर का काम कर रहा थातभी करीबन 6:30 प्लांट में फरसवानी गांव का भुवन बरेठ काम करने आया था जो प्लांट में ट्रांसफर टावर में कन्वेयर बेल्ट में फंस गया जिससे उसकी मृत्यु हो गई थी ।

घटना की सूचना मिलने पर आसपास के गांव के लोग तथा मृतक

भुवन बरेठ के परिजन प्लांट में आकर हल्ला कर रहे थे और प्लांट के कर्मचारीयों से विवाद कर रहे थे । उसी समय फरसवानी गांव का मनीराम घटना की सूचना मिलने पर अपने अन्य साथियों के साथ आकर कर्मचारी नरेंद्र साहू एवं प्रार्थी दीपक दास महंत के साथ मारपीट किया तथा उसके साथ आए अन्य साथी मारपीट कर वहां पर खड़े प्लांट की गाड़ी बोलेरो क्रमांक को राड से मार कर ग्लास को तोड़ दिए थे । प्लांट के अन्य स्टाफ के बीच बचाव करने पर सभी लोग ऑफिस की तरफ चले गए । उक्त रिपोर्ट पर मनीराम बरेठ, राहुल बरेठ तथा अन्य के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।

दौरान विवेचना पता चला कि उक्त आरोपीगणों द्वारा उनके परिजन भुवन बरेठ की कार्य के दौरान मृत्यु होने के कारण आवेश में आकर परिजनों के द्वारा प्लांट में कर्मचारीयों से मारपीट और तोड़फोड़ की घटना की गई है । पुलिस टीम के द्वारा प्रकरण में पांच आरोपियों को पकड़ा गया और प्रकरण में अन्य आरोपी की गिरफ्तारी शेष है।

उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता थाना प्रभारी चांपा, उमेंद्र मिश्रा का योगदान रहा।

गुरूकृपा इंफ्रा रियालिटी लिमिटेड की संपत्ति कुर्क करने का अंत:कालीन आदेश पारित

जांजगीर-चांपा, कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री जन्मेजय महोबे द्वारा छ.ग. निक्षेपकों का हित संरक्षण अधिनियम, 2005/2023 थाना चांपा पक्षकार छत्तीसगढ़ शासन विरूद्ध गुरुकृपा इंफ्रा रियालिटी लिमिटेड चापा एवं निकिता अग्रवाल के प्रकरण में दिनांक 25.07.2025 को चांपा स्थित भूमि खसरा नंबर 2089/3 ख रकबा 0.053 हेक्टेयर भूमि को कुर्क करते हुए अत:कालीन आदेश पारित किया गया है।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश कार्यालय अंतर्गत रिक्त पदों पर भर्ती हेतु कौशल परीक्षा 24 अगस्त को

जांजगीर-चांपा कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जांजगीर चांपा के जिला स्थापना में रिक्त पदों सहायक ग्रेड 03 के कुल रिक्त पद 20 एवं कोर्ट मैनेजर अमला हेतु लिपिक क्लर्क (संविदा) के कुल 01 पद हेतु पात्र अभ्यार्थीयों का कौशल परीक्षा 24 अगस्त 2025 दिन रविवार को प्रात: 09 बजे से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय जांजगीर चांपा के सभाकक्ष में आयोजित किया गया है। कौशल परीक्षा हेतु पात्र सभी अभ्यार्थी नियत समय के 30 मिनट पूर्व अर्थात प्रात: 8.30 बजे से दस्तावेज सत्यापन हेतु सभी आवश्यक मूल दस्तावेजों, आधार कार्ड एवं 02 नग रंगीन फोटो के साथ कौशल परीक्षा हेतु उपस्थित रहे, उसी दिनांक को दस्तावेज सत्यापन भी किया जावेगा।

छत्तीसगढ़ी में अनुवादित हुआ काव्य कृति आंसू

ममता तिवारी मृदुला द्वारा अनूवादित, जौहरी पब्लिशर से हुआ प्रकाशित

वाराणसी/रायपुर।

हिंदी काव्यजगत के युगप्रवर्तक कवि जयशंकर प्रसाद की कालजयी काव्यकृति 'आँसू' अब छत्तीसगढ़ी भाषा-भाषियों के लिए भी सुलभ हो गई है। इस प्रसिद्ध काव्य का छत्तीसगढ़ी रूपांतरण ममता तिवारी 'मृदुला' ने अत्यंत भावपूर्ण शैली में किया है, जो हाल ही में जौहरी पब्लिशर द्वारा प्रकाशित किया गया है।यह अनुवाद न केवल भाषायी सेतु का कार्य करता है, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरती पर हिंदी साहित्य की एक अमूल्य थाती को रोपने का प्रयास भी है। मूल 'आँसू' की कोमल भावनाओं, करुणा और प्रेम की तरलता को अनुवादिका ने छत्तीसगढ़ी के सरस, सहज और मधुर शब्दों में पिरोया है।

पुस्तक का मूल्य 250 रखा गया है और यह अब Amazon पर भी उपलब्ध है, जिससे देश-विदेश के पाठक इसे सरलता से प्राप्त कर सकते हैं।

अनुवादिका ममता तिवारी ÷मृदुला÷ ने बताया कि – ÷यह केवल भाषांतर नहीं, एक आत्मांतर है। 'आँसू' की पीड़ा और सौंदर्य को छत्तीसगढ़ी में जीवंत करना मेरे लिए एक साधना जैसा अनुभव रहा।÷

जौहरी पब्लिशर की यह प्रस्तुति हिंदी और छत्तीसगढ़ी साहित्य के बीच सेतु निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। साहित्यप्रेमियों व शोधकर्ताओं के लिए यह संस्करण एक संग्रहणीय कृति बन चुकी है।

लाखों रूपये का चावल चोरी करने वाले दो आरोपियों को अकलतरा पुलिस ने पकड़ा

संवाददाता

जांजगीर चांपा / लाखों रुपए का चावल चोरी करने वाले दो आरोपियों को अकलतरा पुलिस ने पकड़ा है। पकड़े गए आरोपीयों में कमलेश पिता गंगा प्रसाद गुप्ता निवासी जमुआ सीधी व बृजेश पिता खिलावन साहु निवासी मेडवास चितरंगी शामिल है। मामले का विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी रसिक अग्रवाल द्वारा दिनांक 23 जुलाई 25 को थाना अकलतरा में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि इसका रसिक बिहारी फूड प्राइवेट लिमिटेड नाम से रईस मिल है । इसके द्वारा 1350 बोरी चावल कीमती ग्यारह लाख बावन हजार रुपए अकलतरा से वापी गुजरात जाने के लिए छत्तीसगढ़ ट्रांसपोर्टर बिलासपुर से संपर्क किया जो दिनांक 13 जुलाई 25 को वापी गुजरात जाने के लिए छत्तीसगढ़ ट्रांसपोर्ट के द्वारा प्रार्थी रसिक बिहारी को ट्रक क्रमांक सीजी04 पीवी 2156 उपलब्ध

कराया गया। उक्त वाहन का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, ड्राइवर का लाइसेंस चेक करने के बाद उक्त वाहन से दिनांक 14 जुलाई 25 को चावल लोड कर वापी गुजरात के लिए ड्राइवर छोटे लाल के साथ रवाना किया गया था। दो दिन बाद छत्तीसगढ़ ट्रांसपोर्ट बिलासपुर के द्वारा वाहन स्वामी एवं ड्राइवर से संपर्क किया गया जो मोबाइल नंबर लगातार बंद आने से ट्रांसपोर्टर के द्वारा खोज बिन किया । कोई पता नहीं चला जिसकी सूचना रिपोर्ट पर दिनांक 23 जुलाई 25 को वाहन स्वामी एवं ड्राइवर के विरुद्ध थाना अकलतरा में धारा 316(3) बीएनएस के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में तत्काल टीम गठित कर पतासजी हेतु रवाना होकर सायबर तकनीक से 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज के एनालिसिस से स्पष्ट हुआ कि जो ट्रक ड्राइवर आया था वो फर्जी नंबर प्लेट लगाकर आया था।

ख्यातिलब्ध नवदुर्गा नैला महोत्सव की तैयारी शुरू

म्यांमार के श्वेत मंदिर की तर्ज पर भव्य बनेगा नैला के दुर्गा पूजा का पंडाल...

संवाददाता। जांजगीर-चांपा । जिले की ख्यातिलब्ध नव दुर्गा महोत्सव नैला की तैयारी शुरू हो गया है जिसमें इस वर्ष म्यांमार बर्मा देश के सुप्रसिद्ध श्वेत मंदिर की प्रतिकृति का 140 फीट ऊंचा और 150 फीट चौड़ा भव्य प्रवेश द्वार आकर्षण का केंद्र रहेगा। समिति के लोगों ने इसके लिए अभी से तैयारी करना शुरू कर दिए हैं। जिले के प्रत्येक गांव व कस्बों में चौक, चौराहों पर भी माता रानी की झांकियां सजाने की तैयारी चल रही है। मूर्तिकार मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों को गढ़ रहे हैं और आकार दे रहे हैं। इस बार नैला के विशाल पांडाल में विश्व प्रसिद्ध श्वेत मंदिर की प्रतिकृति में भव्य पंडाल बनाया जाएगा। पंडाल सहित मां दुर्गा प्रतिमा बनाने का काम शुरू होने वाला है। नैला स्टेशन की मां दुर्गा की प्रतिमा और भव्य प्रवेश द्वार हर साल प्रदेश ही नहीं देशभर में प्रसिद्धि के लायक रहता है। पिछले साल अरूण देव की तर्ज पर भव्य पंडाल आकर्षण का केंद्र बना हुआ था तो इसके पूर्व माहेष्मति महल। इस बार भी श्रीश्री दुर्गा

पूजा उत्सव सेवा समिति नैला का दुर्गोत्सव जिला और प्रदेश ही नहीं बल्कि देशभर में चर्चित होगा।

साज सज्जा की तैयारी में जुटे समिति के सदस्य....

समिति के अध्यक्ष राजू पालीवाल ने बताया कि यह आयोजन का 42वां वर्ष होगा। मां दुर्गा की ऊंची और प्रतिमा बनाई जाएगी। जो स्वर्ण सिंहासन पर विराजमान रहेगी। पूरे पंडाल में आकर्षक लाइटें रहेगी। वहीं विश्व प्रसिद्ध श्वेत मंदिर की भव्यता रात में विशेष लाइट से और मनमोहक दिखेगी। म्यांमार (बर्मा) के विश्व प्रसिद्ध श्वेत मंदिर के तर्ज पर विशाल पंडाल बनाया जाएगा। साथ ही मां दुर्गा समेत सारी मूर्तियां मिट्टी से तैयार की जा रही है। श्वेत मंदिर की तर्ज पर विशाल पंडाल बनाया जा रहा है।

पंडाल बनाने का शुरू कर दी गई है। बंगाल से कारीगर पहुंच गए है। म्यांमार के प्रसिद्ध श्वेत मन्दिर की प्रतिकृति का 140 फीट ऊंचा और 150 फीट चौडा भव्य प्रवेश द्वार को कारीगर बनाने में जुट गए हैं। प्रसिद्ध मूर्तिकार द्वारा निर्मित माता रानी की 35 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा बनाई जा रही है। ब्राम्हांड के केन्द्र में स्थित म्यांमार (बर्मा) का यह मंदिर अटूट प्रेम और पवित्रता का प्रतीक है। यह हमें ब्राम्हाड में शांति और अध्यात्मिक ऊर्जा का संदेश देता है।

15 फीसदी महंगी मां दुर्गे की प्रतिमा.....

महंगाई के इस दौर में अन्य वस्तुओं की तरह मिट्टी और मटेरियल के दाम भी हर वर्ष बढ़ते जा रहे हैं। जिले में कई जगह गणेश व मां दुर्गे की प्रतिमाएं बनाने वालों ने डेरे डाल लिए हैं। बंगाल से आए मूर्तिकार सुनील पाल ने बताया कि इस बार मां दुर्गे की प्रतिमाओं की लागत अधिक आने से इनकी कीमत पंद्रह फीसदी महंगी होना बताई जा रही है। इनकी बुकिंग भी शुरु हो गई है।

खास खबर

छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ने पूर्व राष्ट्रपति स्व. डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के पुण्यतिथि पर की श्रद्धांजलि अर्पित

कोरबा छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ द्वारा टी.पी. नगर में तत्कालिक मिसाइल वैज्ञानिक राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की 10वीं पुण्यतिथि पर छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ के पदाधिकारी सदस्यों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष विनोद सिन्हा ने स्व. डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि हमारे अखबार वितरक के अभिभावक स्व. डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम भी बचपन में अखबार वितरण का कार्य किया करते थे।

उनके घर के सामने बरगद पेड़ चबूतरा पर शाम को बैठक कर गांववालों को पेपर वितरण का उद्देश्य बताया करते थे स छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ऐसे महान विभूति को श्रद्धांजलि अर्पित करते है। उपस्थित जनों में संरक्षक पदम सिंह चंदेल, सचिव जयसिंह नेताम, रामायण सिंह, कृष्णा निर्मलकर, दिलीप यादव, राय सिंह, तपेश्वर राठौर, अनिल गिरी, मुरितराम कश्यप सहित अनेक वितरक उपस्थित रहे।

रायगढ़ स्टेडियम में अस्मिता सिटी लीग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

0 बालिकाओं के खेल कौशल को निखारने की पहल

रायगढ़, संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार जिले में संचालित खेलों इंडिया लघु केन्द्र रायगढ़ स्टेडियम बोईरदादर रायगढ़ में अस्मिता सिटी लीग का आयोजन किया गया। खेलो इंडिया योजना के तहत अस्मिता सिटी लीग की शुरूआत की गई है। इस योजना का उद्देश्य बालिकाओं को प्रेरित करना और उभरती हुई प्रतिभाओं को बढ़ावा देना है। अस्मिता सिटी लीग में खेलो इंडिया लघु केन्द्र (बैडमिंटन) रायगढ़ के बालिका खिलाड़ी एवं विभिन्न स्कूलों के बालिका खिलाडियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। उक्त सिटी लीग में बैडमिंटन के डबल्स प्रतियोगिता में रिंकी पटेल तथा काशिका ने प्रथम स्थान एवं सिमरन तथा अनुष्का ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा बैडमिंटन एकल प्रतियोगिता में रिंकी पटेल ने प्रथम स्थान तथा सिमरन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उक्त कार्यक्रम में श्रीमती श्रेयम चन्द्रा व्यायाम शिक्षक शा.कन्या.उ.मा.विद्या रायगढ़, जितेश्वर प्रधान व्यायाम शिक्षक, दिलीप सिंह वरिष्ठ प्रशिक्षक एवं धरणीधर यादव व्यायाम शिक्षक शा.उ.मा.वि. चक्रधर नगर स्कूल रायगढ़ उपस्थित रहे।

प्री. इंजीनियरिंगव प्री. मेडिकल की प्रवेष परीक्षाओं तैयारी के लिए आवेदन आमंत्रित

कोरबा, वर्ष 2025-26 में प्री. इंजीनियरिंग व प्री. मेडिकल प्रवेष परीक्षाओं की कोचिंग करने के लिए 11 अगस्त 2025 षाम 04 बजे तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन करने हेतु विभागीय वेबसाइट ूजतपइंसण्बहण्हवअण्पद पर जाकर आवेदन पत्र तथा आवेदन से संबंधित जानकारी प्राप्त किया जा सकता है।

लव जिहाद : विशेष विवाह पर लगी रोक, युवक की भूमिका की जांच

कोरबा, । कटघोरा की एक युवती को झांसे में लेने के बाद पश्चिम बंगाल के कोलकाता ले जाने और मस्जिद में कथित रूप से विवाह करने के प्रकरण को हाईकोर्ट छत्तीसगढ़ पहले ही अवैध करार दे चुका है। कटघोरा के तौसिफ मेमन ने इस मामले को कोरबा में विवाह अधिकारी के समक्ष लगाया था और अनुमति की मांग की थी। लंबी प्रक्रिया और युवती के परिवार व हिंदू संगठनों की आपत्ति के बाद फ्लिहाल विशेष विवाह पर ब्रेक लग गया है। इसके साथ ही युवक की भूमिका की जांच करने के लिए पुलिस को निर्देशित किया गया है।

न्यायालय अपर कलेक्टर और विवाह अधिकारी जिला कोरबा की ओर से पत्र क्रमांक 9815 के माध्यम से पुलिस अधीक्षक को कहा गया है कि वह इस पूरे मामले में स्पष्ट रूप से जांच करने के साथ प्रतिवेदन उपलब्ध कराए। विशेष विवाह अधिनियम की धारा के तहत आवेदक तौसिफ मेमन ने आवेदन दिया था। इस परिप्रेक्ष्य में कटघोरा कसनिया निवासी युवती के परिजनों सहित विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं से जुड़े लोगों ने अपनी आपत्ति प्रशासन के समक्ष दर्ज कराई। इनमें अरविंद अग्रवाल, अवधेश सिंह, प्रभुचरण सिंह बिसेन, नरेश कुमार जगवानी, प्रकाशचंद जैन और मोहनलाल श्रीवास सहित अन्य संगठनों की आपत्ति मुख्य रही। अपर कलेक्टर न्यायालय की ओर से पुलिस अधीक्षक को कहा गया किअलग-अलग तिथियों में उपरोक्त व्यक्तियों से प्राप्त संबंधित पत्रों का अवलोकन किया जाए। इसमें तौसिफमेमन के द्वारा विशेष विवाह की अनुमति को लेकर आपत्ति दर्ज कराई गई है। संबधित पत्रों के माध्यम से कहा गया है कि आवेदक रोहंगिया मुस्लिम है जो कोलकाता के रास्ते बांग्लादेश से आकर कटघोरा में निवासरत है। लव जिहाद के साथ उत्तरप्रदेश के जलालुद्दीन उर्फ झंगुर बाबा से जुड़ा हुआ है। पीड़िता को डरा-धमका कर प्रलोभन देकर योजनाबद्ध साजिश के तहत कोलकाता पश्चिम बंगाल ले जाकर उस पर दबाव बनाया गया। जबरदस्ती सहमति प्रदान कराई गई। जिसे माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर में स्वीकार किया गया। इस प्रकरण में लव जिहादी गिरोह न्यायालय और कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग कर गजवा ए हिंद को साधकर कानूनी संरक्षण प्रदान करने का प्रयास कर रहे हैं। उक्त विवाह आवेदन को नियमानुसार रद्दध्खारिज करने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। पुलिस अधीक्षक को इन पत्रों की छायाप्रति भेजने के साथ कहा गया है इन पत्रों के संबंध में स्पष्ट तौर पर जांच कराई जाए और न्यायालय को अविलंब रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए।

इस मामले में विभिन्न संगठनों के द्वारा लगातार मांग की जा रही थी कि जिस युवती को उज्जवला केंद्र में रखा गया है उसे वहां से मुक्त कर अपने माता-पिता के संरक्षण में दिया जाए।

स्वामी आत्मानंद हिंदी अंग्रेजी स्कूल कुदमुरा में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

कोरबा (आरएनएस)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के अध्यक्ष संतोष शर्मा एवं सचिव सुश्री डिंपल भेड़िया के निर्देशन में दिनांक 26.07.2025 को तालुका विधिक सेवा समिति करतला के तत्वाधान में माननीय हेमंत राज धुर्वे, अध्यक्ष तालुका विधिक सेवा समिति करतला एवं व्यवहार न्यायाधीश के मुख्य आतिथ्य में स्वामी आत्मानंद हिंदी अंग्रेजी माध्यम स्कूल कुदमुरा में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित की गई। श्री धुर्वे के द्वारा माँ सरस्वती जी के तैल्य चित्र पर पुष्पार्पण करते हुए दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुवात किया गया। उनके द्वारा विद्यालय के विद्यार्थियों को बताया गया कि विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा समाज के कमजोर वर्गों को मुफ्त कानूनी सेवाएं प्रदान की जाती है। मुख्य रूप से विद्यार्थियों को लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम 2012 (पोस्को) एवं मोटर वाहन अधिनियम 1988 के बारे में विस्तृत जानकारिया दी गयी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति के सहयोग से छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 1 जुलाई से 7 अक्टुबर 2025 तक चलाये जा रहे .

मजबूत नागरिक से बनता है मजबूत देश : कलेक्टर अजीत वसंत

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को किया गया याद

कोरबा

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर पूर्व सैनिक संघ द्वारा सुभाष चैक निहारिका में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देश के लिए शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित कर याद किया गया। उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर दीप जलाए गए और कारगिल के विजय यात्रा को देश के लिए गौरवशाली बताया गया।

पूर्व सैनिक संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल कलेक्टर अजीत वसंत ने कहा कि हमारे सैनिकों ने देश के लिए अनेक युद्ध लड़ा है। कारगिल का युद्ध मुश्किल परिस्थितियों में लड़ा जाने और दुश्मनों से मुकाबला कर विजय हासिल करने वाला युद्ध है। इसे भुलाया नहीं जा सकता। इस युद्ध ने देश के हर नागरिकों को गौरवान्वित किया है। कलेक्टर ने कहा कि अभी हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर भी चलाया गया। हमारे जवानों द्वारा सदैव देश के लिए अपने शौर्य और साहस का परिचय देते हुए

पराक्रम को साबित किया गया है। उन्होंने कहा कि हम सभी शान्ति चाहते हैं। शान्ति के लिए मजबूत होना भी आवश्यक है। कलेक्टर ने कहा कि कोई भी देश वहाँ के मजबूत नागरिकों से मजबूत होता है। हमारा देश किसानों, जवानों से मजबूत है। आने वाली युवा पीढ़ी और सभी नागरिक अपनी एकजुटता और मजबूती बनाएं रखे, क्योंकि मजबूत देश ही अपने देश की सुरक्षा और शांति स्थापित कर सकता है। कलेक्टर ने कारगिल के योद्धाओं को नमन करते हुए कहा कि हम सभी देश के उन शहीदों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, जिनकी वजह से हम सभी सुरक्षित है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को भी गौरवान्वित करने वाला बताया। कलेक्टर श्री वसंत ने शहीदों को पुष्पाजंलि अर्पित कर दीप जलाएं।

कार्यक्रम को पार्षद नरेंद्र देवांगन ने भी संबोधित किया और शहीदों के योगदान को महान बताया। कार्यक्रम में दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई और गायक संदीप शर्मा सहित अन्य द्वारा देशभक्ति गीत की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर पूर्व सैनिक संघ के पदाधिकारी मुकेश अदवालेखा, दीपक सिंह, एनसीसी के राजेंद्र सिंह, चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी, पार्षदगण एवं गणमान्य नागरिक गण उपस्थित थे।

एसईसीएल अधिकारियों को दो टूक- अब नहीं चलेगी मनमानी

नरईबोध के भूविस्थापितों को मकान के लिए आबंटित जमीन में कटौती और मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी बर्दाश्त नहीं

कोरबा। नराइबोध के भूविस्थापितों द्वारा लंबे समय से उठाई जा रही बसाहट और मकान के लिए आबंटित जमीन में हुई मुआवजा कटौती की समस्याओं को लेकर शुक्रवार को महत्वपूर्ण त्रिपक्षीय वार्ता का आयोजन एसईसीएल गेवरा सीजीएम कार्यालय में किया गया। कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल की अध्यक्षता में आयोजित इस वार्ता में एसडीएम, तहसीलदार, एसईसीएल के अधिकारीगण एवं नराईबोध के भूविस्थापित शामिल हुए।

वार्ता के दौरान ग्रामीणों ने स्पष्ट रूप से आरोप लगाया कि बसाहट के दौरान न सिर्फ मकान के लिए आबंटित जमीन में कटौती की गई है, बल्कि मूलभूत सुविधाओं की भी घोर अनदेखी की गई है। विधायक प्रेमचंद पटेल ने ग्रामीणों की समस्याएं गंभीरता से सुनी और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बसाहट योजना की पुनः समीक्षा की जाए और जिन लोगों को मकान की जमीन में कटौती या अन्य प्रकार की समस्या हुई है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर राहत दी जाए। एसडीएम व तहसीलदार ने प्रशासन की ओर से उचित जांच और समाधान का आश्वासन दिया जबकि एसईसीएल के प्रतिनिधियों की ओर से प्रक्रिया में पारदर्शिता बरतने की बात कही। श्री पटेल ने अधिकारियों को चेताया भी कि भूविस्थापित राष्ट्र निर्माण के लिए अपनी जमीन देते हैं, लेकिन एसईसीएल के अधिकारी उनकी सुविधाओं पर कोई ध्यान नहीं

कोयला लोड ट्रकों के आवागमन और दबाव में जर्जर हुई बायपास रोड-जाम से लोग हुए त्रस्त

कोरबा,आरएनएस)। कोरबा नगर क्षेत्र की मानिकपुर कोल साइडिंग के लिए सेकंड एंट्री गेट के पीछे रेलवे ट्रैक के किनारे कोयला परिवहन करने वाले मालवाहकों के लिए वैकल्पिक सड़क बनी है। लेकिन सुगम आवाजाही व ज्यादा ट्रिप के चक्कर में मालवाहक बायपास रोड से आवाजाही करते हैं। इस वजह से बायपास मार्ग बदहाल हो गई है और स्टेशन पहुंचने वाले यात्री परेशान हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार रेलवे द्वारा शहरवासियों की सुविधा के लिए मानिकपुर छोर पर सेकंड एंट्री गेट की शुरूआत करते ही एसईसीएल ने उस हिस्से में कई दशक से वीरान पड़े कोल साइडिंग को फिर से शुरू कर दिया। जिसके बाद एसईसीएल के मानिकपुर खदान से निकलने वाले कोयले की साइडिंग के जरिए रेलवे के माध्यम से मालगाड़ी में परिवहन शुरू हो गया। इसके लिए प्रतिदिन करीब 200 मालवाहक खदान से कोल साइडिंग के बीच आवाजाही करते हैं। रेलवे क्षेत्र में कोल साइडिंग तक आवाजाही के लिए रेलवे ट्रैक के किनारे वैकल्पिक मार्ग होता है। शहर में भी सेकंड एंट्री गेट परिसर के पीछे रेलवे ट्रैक के किनारे वैकल्पिक मार्ग बना है, लेकिन उसमें गिनती के मालवाहक ही आवाजाही करते हैं, जबकि ज्यादातर मालवाहकों के चालक खदान से कोल साइडिंग के बीच आवाजाही के लिए मुड़ापार-इमलीडुग्गू बायपास का उपयोग करते हैं। लगातार कोल परिवहन के कारण बायपास सड़क पर कोल डस्ट की मोटी परत जम चुकी है, ऊपर से 24 घंटे भारी वाहनों का दबाव बना रहता है, जिससे रेलवे के सेकंड एंट्री गेट को मुड़ापार की ओर से जोड़ने वाले बायपास सड़क का हाल बदहाल हो चुका है।

बरभांठा में स्कूल और घरों में घुस रही फ्लाई ऐश

कोरबा कटघोरा नगर पालिका परिषद के वार्ड क्रमांक 15 में स्थित पौनी पसारी के समीप शासकीय भूमि पर नगर के कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा अवैध अतिक्रमण का गंभीर मामला सामने आया है। इस संबंध में वार्ड क्रमांक 14 के भाजपा नेता व पूर्व पार्षद शरद गोयल ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पोंडी उपरोड़ा तथा तहसीलदार पोंडी उपरोड़ा को लिखित शिकायत देकर शासकीय भूमि की जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत में पूर्व पार्षद ने बताया कि ग्राम कसनिया बरभांठा, परिहा नंबर 44, राजस्व निरीक्षक मंडल सुतर्रा, तहसील पोंडी उपरोड़ा अंतर्गत आने वाली

खसरा नंबर 72, रकबा 0.255 हेक्टेयर शासकीय भूमि पर कांट्रेक्ट एजेंसी ने अवैध रूप से राखड़ डंप कर अतिक्रमण किया जा रहा है। यह भूमि मुख्य सडक बिलासपुर मार्ग पर स्थित है, जहाँ पहले से हरे-भरे पेड़ लगे हुए हैं। पूर्व पार्षद के अनुसार, राखड़ डंपिंग से क्षेत्र में गंभीर प्रदूषण की स्थिति उत्पन्न हो गई है। राख उडकर आसपास के घरों में पहुंच रही है, जिससे स्थानीय निवासियों को सांस संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

वर्षा के मौसम में यह राख बहकर किसानों के खेतों में प्रवेश कर रही है, जिससे फसलें बर्बाद हो रही हैं और कृषि कार्य बाधित हो रहा है। इतना ही नहीं, उड़ती राख स्कूल परिसर तक पहुंच रही है, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा है।

शरद गोयल ने यह भी बताया कि पूर्व में इस शासकीय भूमि पर व्यावसायिक परिसर विकसित करने का प्रस्ताव था, परंतु किसी कारणवश यह कार्य नहीं हो पाया। अब इस भूमि पर कुछ लोगों द्वारा सुनियोजित तरीके से कब्जा कर अवैध डंपिंग की जा रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नगर पालिका के मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) को पूरे मामले की जानकारी होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की जा रही, जो कि संदेहास्पद प्रतीत होता है। पूर्व पार्षद ने जिला कलेक्टर, कमिश्नर एवं राजस्व मंत्री से भी इस विषय में शिकायत कर निष्पक्ष जांच कराने की बात कही है। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया है कि शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कर दोषियों पर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को प्रदूषण से राहत मिल सके और सरकारी जमीन का उपयोग जनहित में हो सके।

शासकीय उच्च माकन्या शाला सरकंडा नूतन चौक में किया गया छात्राओं को जागरूक

बिलासपुर,

यातायात संदेशों के नारों के साथ मानव श्रृंखला बनाकर निकाले गए यातायात जागरूकता रैली। छात्रों ने यातायात तख्तियों के माध्यम से लोगों को दिया यातायात नियमों के पालन के संदेश। कार्यक्रम में यातायात, महिला एवं बाल अपराध, साइबर अपराध, नशा मुक्ति, मोबाइल की लत, बुजुर्गों के अधिकार एवं सम्मान, पर्यावरण आदि अनेक विषय पर हुआ कार्यशाला। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने छात्र छात्राओं को दिया यातायात नियमों के पालन के सिख। कार्यक्रम के अंत मे छात्राओं सहित सभी को दिलाई गई यातायात नियमों के पालन हेतु सपथ। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह दिशा निर्देश में बिलासपुर पुलिस के द्वारा चलाए जा रहे चेतना अभियान के तहत नियमित रूप से चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम के विभिन्न चरणों का विस्तार करते हुए वृहद रुप में सभी जागरूकता कार्यक्रमो का समन्वित द्वितीय चरण का आज जिला एवं पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में चेतना- छात्र जागरूकता अभियान शहीद अविनाश शर्मा शासकीय उच्च मा. कन्या शाला सरकंडा बिलासपुर में किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

यातायात रामगोपाल करियारे एवं विद्यालय प्राचार्या श्रीमती गायत्री तिवारी, सम्माननीय अभ्यागतो के गरिमामय आगमन एवं नागरिक संगठनों, छात्र छात्राओं, माता-पिता, अभिभावकों एवं गणमान्य नागरिकगणों के विशाल उपस्थिति एवं सहभागिता में प्रातः 09 बजे बजे से प्रारम्भ हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ के पूर्व विद्यालय के मुख्य द्वार पर छात्र-छात्राओं द्वारा उत्साह पूर्वक अतिथियों का तिलक लगाकर, पुष्पवर्षा और आरती के साथ अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया गया। अतिथियों को एन सी सी के स्काउट छात्राओं द्वारा पायलेटिंग कर मुख्य मंच तक लाया गया। तत्पश्चात बालिकाओं द्वारा माँ सरस्वती वंदना के गुंजन के साथ अतिथियों के द्वारा माँ सरस्वती के छायाचित्र पर पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया गया। इसके पश्चात स्काउट गाइड के छात्रों के द्वारा मुख्य अभ्यागतों एवं अतिथियों को सम्मानपूर्वक मंचासीन किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण और पुष्प गुच्छ से किया गया।तत्पश्चात विद्यालय के प्राचार्या श्रीमती गायत्री तिवारी जी द्वारा स्वागत उद्बोधन में कार्यक्रम के उद्देश्य, रूपरेखा और मुख्य विषय के बारे में अवगत कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में एएसपी रामगोपाल करियारे ने कहा कि छात्र छात्राएं यातायात पुलिस के संवाहक रूप में नागरिक समुदाय के सभी वर्गों को प्रभावित करते है क्योंकि बच्चों के द्वारा अपने माता पिता, अभिभावकों, पालकों एवं रिस्तेदारों को सहज रूप में स्कूल के माध्यम से दी गयी जानकारियों को कठोरता से पालन करने की जिद की जाती है। आज के छात्र-छात्राएं अपने माता-पिता अभिभावकों के सापेक्ष आधुनिक तकनीकी शिक्षाओं के कारण प्रत्येक नवीनता से अद्यतन होते हैं अतः इन्हें किसी भी क्षेत्र में हुए नवीनता के प्रति सहजतापूर्वक अनुकूल होने में आसानी होती है मोटर अधिनियम के नियमों में हुए अद्यतन परिवर्तन के संबंध में छात्र-छात्राओं को अवगत कराते हुए समस्त नियमों के प्रति अपने माता-पिता एवं पालकों को संदेश प्रसारित करने हेतु समाझाइस दी गयी है। जिला न्यायालय से विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री अनिल चौहान ने कहा कि छात्र-छात्राओं को स्कूल स्तर से ही विभिन्न प्रकार के अपराधों के संबंध में विधिक प्रावधानों के बारे पूर्व से ही जानकारी होनी चाहिए ताकि छात्र-छात्राएं के ऊपर होने वाले अपराधों से वह बच सके। कई बार गलत संगति के कारण भी युवा वर्ग अपराध की ओर उन्मुख होता है जिसका पश्चाताप अपराध घटित हो जाने के बाद होती है वही अपराधियों के मनसूबों के बारे में भी पूर्वाभास तभी की जा सकती है जब उन्हें पूर्व से बताई गई हो। इस दौरान छात्र छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का मंचन कर यातायात, साइबर, नशामुक्ति, नारी जागरण, महिला एवं बाल अपराध, मोबाइल एडिक्शन/ लत, चेतना शियान आदि पर आधारित नृत्य,गायन, नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से उपस्थित छात्र छात्राओं एवं गणमान्य जनो को विशेष संदेश दिया गया।

जागरूकता कार्यक्रम से संबंधित विशेषज्ञो, मास्टर ट्रेनर एवं अतिथियों के द्वारा छात्र-छात्राओं को यातायात, महिला एवं बाल अपराध, साइबर अपराध, नशा उन्मूलन, मोबाइल की लत, पर्यावरण जागरूकता, सियान चेतना आदि विभिन्न विषयों पर आधारित विस्तृत चर्चा और व्याख्यान दिया गया। साथ ही छात्र-छात्राओं से तत्सबन्ध में विभिन्न प्रकार के प्रश्नोत्तर करके बच्चों के प्रश्नों के जिज्ञासाओं को शांत भी किया गया बच्चों ने बड़ी तन्मयता और सक्रियता के साथ आज के इस विशेष कार्यक्रम का गंभीरता पूर्वक श्रवण किया। इस कार्यक्रम में जिला एवं पुलिस प्रशासन सहित , विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर,महिला बाल विकास, शिक्षा विभाग एवं अन्य विभिन्न विभागों ने अति सक्रियता के साथ चेतना के सातों आयामों पर विस्तृत जानकारियां छात्र-छात्राओं को प्रदान करने हेतु कार्यक्रम को प्रत्येक स्तर पर जन-जन तक पहुंचाने एवं प्रत्येक स्कूल के छात्र-छात्राओं को कार्यक्रम के सातों चरण से अवगत कराए जाने हेतु प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के संबंध में विचार व्यक्त किये।

लव मैरिज की खौफ़नाक सजा : पति ने चुनरी से घोटा गला और सुसाइड का रूप देने लाश को जला दिया

कोरबा 28 जुलाई(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में पति ने गर्भवती पत्नी की उसी की चुनरी से गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद सुसाइड दिखाने शव को जला दिया। दोनों पति-पत्नी पंचायत सचिव के पद पर पदस्थ थे। 2 साल पहले लव मैरिज की थी। जांच में पता चला की आरोपी पति बच्चा नहीं चाहता था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। 21 जुलाई को युवती की लाश उसके ही घर में अधजली हालत में मिली थी।

जानकारी के मुताबिक दोनों अनुकंपा नियुक्ति पर पंचायत सचिव के पद पर कार्यरत थे। दोनों ने घर वालों को बिना बताए आर्य समाज में शादी की थी। पत्नी 1 महीने की प्रेग्नेंट थी। मामला रामपुर थाना क्षेत्र का है। पंचायत सचिव सुषमा खुसरो (22 साल) और अभिनेक लदेर (25 साल) दोनों की मुलाकात ट्रेनिंग के दौरान हुई थी। पहले दोस्ती हुई और फिर प्यार में बदल गई। दोनों पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड क्षेत्र में कार्यरत थे। दोनों अलग जाति से थे, इसलिए घरवालों को रिश्ता मंजूर नहीं था। दोनों शादी करके कोरबा में किराए के घर में रह रहे थे।

घटना वाले दिन प्रेग्नेंसी को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। पति बच्चा नहीं चाहता था। इससे पहले भी वह पत्नी का अबॉर्शन करा चुका था। देर रात सोने के बाद अभिनेक ने

अदालत के आदेश पर विनोद तिवारी समेत सात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश

रायपुर । न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी विवेक कुमार टंडन ने एक अहम फैसला सुनाते हुए सात व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 209 के तहत संज्ञेय अपराध में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। यह आदेश सिविल लाइन थाना पुलिस को जारी किया गया है, जिसमें कहा गया है कि आरोपी व्यक्तियों की अनुपस्थिति, न्यायिक उद्घोषणा के बावजूद, कानूनन गंभीर अपराध की श्रेणी में आती है। मामला पुराने आपराधिक प्रकरण से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार, थाना पंडरी में वर्ष 2016 में दर्ज अपराध क्रमांक 314/2016 के तहत इन अभियुक्तों पर भारतीय दंड संहिता की धाराओं 147 (बलवा), 187 (न्यायालय के आदेश की अवहेलना), 332 (लोकसेवक को चोट पहुंचाना), 336 (जान को खतरे में डालना) और 353 (लोकसेवक पर हमला) के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसके तहत न्यायालय में प्रकरण क्रमांक 4800/2018 भी विचाराधीन था, जिसमें अभियुक्तों के खिलाफउद्घोषणा जारी की गई थी। इसके बावजूद उन्होंने कोर्ट में हाजिरी नहीं दी। इस पर न्यायालय ने संज्ञान लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि उक्त सातों अभियुक्तों पर IPC की धारा 209 के अंतर्गत नया प्रकरण पंजीबद्ध किया जाए और पुलिस मामले की विधिवत जांच प्रारंभ करे।

जिन अभियुक्तों पर मामला दर्ज करने का निर्देश दिया गया है, उनके नाम हैं। विनोद तिवारी, निवासी सुंदरीपारा, मोवा, पप्पू उर्फउमेश बघेल, निवासी शांति नगर, सैय्यद उमेद, निवासी राजा तालाब, शांति नगर, विकास उर्फअपराजित तिवारी, निवासी सुक्रवारी बाजार, विवेक तिवारी, निवासी न्यू शांति नगर, राहुल गांधी, निवासी बूढ़ा तालाब, राम भरोसा शर्मा, निवासी बूढ़ा तालाब सभी आरोपी सिविल लाइन, पंडरी और गुढ़ियारी थाना क्षेत्रों से संबंधित हैं।

अवैध शराब बेचते आरोपी गिरफ्तार, 60 पौवा देशी शराब और 8,000 जब्त

रायपुर । रायपुर पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आज आरंग थाना क्षेत्र के आकोली ओवरब्रिज के नीचे से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान दुर्गेश यादव (36) निवासी आकोली रोड, आरंग, जिला रायपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से 60 पौवा (क्वार्टर) देशी शराब और शराब बिक्री से प्राप्त लगभग ?8,000 नकद जब्त किए हैं।

पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने अवैध शराब तस्करी और बिक्री पर लगाम लगाने के लिए सभी पुलिस अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट (ष्टष्ट) और थाना आरंग पुलिस की संयुक्त टीम को सूचना मिली थी कि आकोली ओवरब्रिज के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब बेच रहा है।

सूचना के आधार पर, टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए के व्यक्ति को पकड़ा। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम दुर्गेश यादव बताया और शराब रखने या बेचने से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद, पुलिस ने दुर्गेश यादव को गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ आरंग थाने में अपराध क्रमांक 421/2025, धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मिशन कर्मयोगी : राष्ट्र निर्माण का संकल्प :मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के समक्ष आज नवा रायपुर स्थित एक निजी होटल में भारत सरकार की क्षमता विकास आयोग एवं छत्तीसगढ़ शासन के मध्य एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत हुए इस एमओयू पर छत्तीसगढ़ शासन की ओर से अपर मुख्य सचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी के महानिदेशक श्री सुब्रत साहू तथा क्षमता विकास आयोग की ओर से सदस्य सचिव श्रीमती वी. ललिता लक्ष्मी ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि मिशन कर्मयोगी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के स्वप्नों को साकार करने वाला एक दूरदर्शी मिशन है। इस मिशन के माध्यम से देश के सभी शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों में कर्मयोगी की भावना विकसित होगी और वे राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान देंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में चार लाख शासकीय सेवकों को सतत प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिसकी प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि अब तक लगभग 50 हजार अधिकारी-कर्मचारी इस प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलते वैश्विक और राष्ट्रीय परिदृश्य के अनुरूप कौशल विकास आज की अनिवार्यता बन गया है। इस नए युग के साथ निरंतर कौशल उन्नयन तथा शासन-प्रशासन में उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने में मिशन कर्मयोगी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ में जिस सुशासन की स्थापना के उद्देश्य से कार्य किया जा रहा है, उसे नई ऊँचाई प्रदान करने में यह एमओयू एक मील का पत्थर सिद्ध होगा। इस साझेदारी के माध्यम से राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप नवीन प्रशिक्षण पद्धतियों को अपनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मिशन कर्मयोगी को पूर्ण समर्पण के साथ लागू करने तथा इसके लाभ को प्रशासन के प्रत्येक स्तर तक पहुँचाने हेतु राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी। सरकार निरंतर शासन एवं प्रशासनिक स्तर पर नवाचार और अभिनव पहलों के माध्यम से व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा नागरिकों को बेहतर सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि यह पहल लोक सेवकों को नागरिकों की आवश्यकताओं के प्रति अधिक संवेदनशील और उत्तरदायी बनाने में सहायक सिद्ध होगी, साथ ही जन-केंद्रित नीतियों और सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में भी सहयोग प्रदान करेगी। श्री साय ने कहा कि इन प्रयासों के माध्यम से हम सभी मिलकर कुशल और प्रेरित लोक सेवकों के सहयोग से विकसित छत्तीसगढ़ के स्वप्न को साकार कर पाएँगे। इस अवसर पर आयोग की सदस्य डॉ. अल्का मित्तल, मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह, उद्योग विभाग के सचिव श्री रजत कुमार, मिशन कर्मयोगी योजना के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री राकेश वर्मा, प्रशासन अकादमी के संचालक श्री टी.सी. महावर एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ बनेगा देश का मॉडल राज्य

मुख्यमंत्री श्री साय ने बेमेतरा जिले में किया 102 करोड़ की राशि के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार ने बीते डेढ़ वर्षों में अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं, जिनका उद्देश्य प्रदेश को समग्र विकास की ओर अग्रसर करते हुए जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये ठोस कदम आने वाले समय में छत्तीसगढ़ को देश के लिए एक उदाहरण के रूप में स्थापित करेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय आज बेमेतरा जिले के नगर पंचायत दाढ़ी स्थित स्टेडियम परिसर में आयोजित विशाल आमसभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने बेहद कम समय में जनता से किए गए अधिकांश वादों को धरातल पर उतारा है। उन्होंने बताया कि गरीबों के अपने घर के सपने को साकार करते हुए 18 लाख आवासों की स्वीकृति प्रदान की गई है। किसानों को धान की खरीदी 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है, वहीं पिछले दो वर्षों का बकाया धान बोनस भी किसानों को दिया जा चुका है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से संचालित महतारी वंदन योजना के तहत राज्य की 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रूपए की सहायता दी जा रही है, जो सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल है। इसी प्रकार, पंचायतों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के लिए अटल सेवा केंद्रों की स्थापना की गई है, जिससे ग्रामीण स्तर पर ही नागरिक सेवाएं सुलभ हो रही हैं। इस अवसर पर उन्होंने बेमेतरा जिले को 102 करोड़ रुपये की लागत से 48 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया जिसमें 35.76 करोड़ रुपये के 22 कार्यों का लोकार्पण और 66.91 करोड़ रुपये के 26 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। मुख्यमंत्री श्री साय ने 20 ग्राम पंचायतों में सीसी रोड निर्माण हेतु प्रति पंचायत 5-5 लाख की घोषणा की। कार्यक्रम स्थल पर मुख्यमंत्री ने पौधारोपण कर पर्यावरण-संदेश दिया और विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितग्राहीमूलक सामग्री का वितरण किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने दाढ़ी नगर पंचायत को बड़ी सौगात देते हुए कार्यालय भवन निर्माण के लिए 1.25 करोड़ की स्वीकृति की घोषणा की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की सभी योजनाएं गांव, गरीब और किसान को केंद्र में रखकर बनाई गई हैं और इन वर्गों के जीवन को उन्नत करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य में डबल इंजन की सरकार छत्तीसगढ़ को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि गांव, गरीब, किसान, महिला और युवा इन सभी वर्गों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना ही हमारी सरकार की दिशा और दृष्टि है।खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल, विधायक श्री दिपेश साहू, विधायक श्री रोहित साहू, विधायक श्री ईश्वर साहू, रजककार विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री प्रहलाद रजक सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सेना भर्ती ऑनलाइन परीक्षा परिणाम घोषित

दुर्ग। भारतीय सेना में भर्ती की प्रक्रिया के अंतर्गत सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर के अधीन जून और जुलाई 2025 में आयोजित की गई। ऑनलाइन संयुक्त प्रवेश परीक्षा (ष्टश्वश्व) का परिणाम घोषित कर दिया गया है। यह परीक्षा अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर तकनीकी, अग्निवीर क्लर्क, अग्निवीर ट्रेडमैन, अग्निवीर महिला सैन्य पुलिस तथा नियमित कैडर में धार्मिक शिक्षक, नर्सिंग सहायक और सिपाही फार्मा जैसे विभिन्न पदों हेतु आयोजित की गई थी। परीक्षा छत्तीसगढ़ के विभिन्न ऑनलाइन परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थी। सफल उम्मीदवारों की सूची भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। साथ ही, परिणाम सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर के सूचना पट पर भी प्रदर्शित किया गया है। उम्मीदवार परीक्षा परिणाम से संबंधित किसी भी जानकारी या स्पष्टीकरण के लिए सेना भर्ती कार्यालय, नया रायपुर–जो शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के समीप स्थित है–के दूरभाष क्रमांक 0771-2965212 अथवा 2965214 पर संपर्क कर सकते हैं।

सफल उम्मीदवारों की सूची भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। साथ ही, परिणाम सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर के सूचना पट पर भी प्रदर्शित किया गया है।

मुख्यमंत्री साय ने किया 'गौ विज्ञान परीक्षा अभियान 2025' का शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति द्वारा आयोजित 'गौ विज्ञान परीक्षा अभियान 2025' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने अभियान के पोस्टर का अनावरण किया और समिति के सदस्यों को इस पुण्य कार्य के लिए शुभकामनाएँ एवं बधाई दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति की आत्मा है, जो न केवल आध्यात्मिक लाभ प्रदान करती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष समिति द्वारा चलाए जा रहे अभियान में गौसेवा के साथ-साथ घर-घर किचन गार्डन निर्माण पर विशेष बल दिया जा रहा है, जो जनस्वास्थ्य सुधार और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

इस अवसर पर समिति के प्रदेश अध्यक्ष श्री सुबोध राठी ने मुख्यमंत्री को अभियान की रूपरेखा से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि समिति द्वारा आगामी 4 नवम्बर 2025 को प्रदेशभर में गौ विज्ञान परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा का उद्देश्य जनसामान्य में गौवंश के महत्व, पारिस्थितिक तंत्र में उसकी भूमिका, ग्लोबल वार्मिंग की रोकथाम में योगदान तथा पंचगव्य के वैज्ञानिक पक्षों के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना है।

श्री राठी ने बताया कि यह परीक्षा माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक एवं महाविद्यालय–इन तीन श्रेणियों में आयोजित की जाएगी। प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को ?51,000 नगद, द्वितीय स्थान हेतु ?31,000 तथा तृतीय स्थान हेतु ?21,000 नगद पुरस्कार एवं गौमय उत्पादों का किट प्रदान किया जाएगा। इसी प्रकार जिला स्तरीय परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः ?3,100, ?2,100 एवं ?1,100 नगद पुरस्कार के साथ गौ उत्पाद किट प्रदान किए जाएँगे।

परीक्षा में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को गौ विज्ञान ग्रंथ एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। इच्छुक विद्यार्थी अपनी संस्था के प्राचार्य अथवा गौ विज्ञान प्रभारी से संपर्क कर पंजीयन करा सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि गत वर्ष इस परीक्षा में प्रदेशभर से एक लाख से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया था। इस वर्ष समिति ने एक लाख से अधिक विद्यार्थियों की भागीदारी का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस अवसर पर प्रांत संयोजक श्री अन्ना सपरे, प्रांत उप प्रमुख श्री मनोज पांडेय, गौ ग्रंथ संपादक डॉ. अमित पांडेय सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बिल्हा ने देशभर में बढ़ाया छत्तीसगढ़ का मान : स्वच्छता में देशभर में प्रथम

मन की बात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की सराहना

रायपुर। छत्तीसगढ़ की नगर पंचायत बिल्हा ने स्वच्छता के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए स्वच्छता सर्वेक्षण 202425 में 20,000 से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में पूरे भारतवर्ष में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि के लिए दिनांक 17 जुलाई 2025 को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित भव्य पुरस्कार समारोह में भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा बिल्हा नगर पंचायत को सम्मानित किया गया था। आज इस गौरवशाली उपलब्धि की प्रतिध्वनि 'मन की बात' के राष्ट्रीय मंच तक पहुँची, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 124वें संस्करण में बिल्हा नगर पंचायत की महिलाओं द्वारा किए गए नवाचार और श्रम का उल्लेख करते हुए सराहना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बिल्हा की महिलाओं को वेस्ट मैनेजमेंट की ट्रेनिंग दी गई और उन्होंने मिलकर शहर की तस्वीर बदल डाली। यह उल्लेख पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का क्षण है, जिसने स्वच्छता को न केवल शासकीय योजना के रूप में, बल्कि सामुदायिक आंदोलन के रूप में अपनाया है। नगर पंचायत बिल्हा की आबादी लगभग 15,000 है, जहाँ 28 स्वच्छता दीदियाँ कार्यरत हैं। ये दीदियाँ नगर के 15 वार्डों में घर-घर जाकर ई-रिक्शा के माध्यम से कचरा संग्रहण का कार्य करती हैं और फिर कचरे को स्क्रू सेंटर में ले जाकर गीला और सूखा कचरा पृथक करती हैं। गीले कचरे से खाद बनाई जाती है और सूखे कचरे को बेचकर ये महिलाएँ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो रही हैं। इसके अतिरिक्त बिल्हा नगर में 10 विशेष स्वच्छता कमांडो भी नियुक्त किए गए हैं जो ट्रैक्टर और ऑटो टिपर के माध्यम से पूरे शहर में घूमकर कचरा सफाई और जन-जागरूकता का कार्य कर रहे हैं। बिल्हा नगर पंचायत द्वारा जन-जागरूकता अभियान, मुनादी, और घरों-दुकानों से सीधे कचरा संग्रहण जैसे कदमों से आज नगरवासी कचरे को पृथक कर ई-रिक्शा में देने के लिए प्रेरित हो चुके हैं। मुक्तिधाम, तालाब, गार्डन, सामुदायिक भवन आदि में सामूहिक सफाई अभियान भी समय-समय पर चलाए जाते हैं। इस सफलता का श्रेय सभी सफाई कर्मचारियों, स्वच्छता दीदियों, नगर पंचायत के अधिकारियों, कर्मचारियों और सकारात्मक सोच वाले जनप्रतिनिधियों को जाता है।

छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति में स्टील सेक्टर को विशेष प्रोत्साहन, ग्रीन स्टील उत्पादन पर विशेष अनुदान भी मिलेगा : मुख्यमंत्री श्री साय

मुख्यमंत्रीसाय ग्रीन स्टील और माइनिंग समिट में हुए शामिल, स्टील उद्यमियों को छत्तीसगढ़ में यूनिट लगाने का आमंत्रण

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने देश के विभिन्न स्टील उद्यमियों को छत्तीसगढ़ में उत्पादन यूनिट स्थापित करने का आमंत्रण दिया है। उन्होंने आज स्थानीय होटल में आयोजित ग्रीन स्टील और माइनिंग समिट में सहभागिता कर उद्यमियों को छत्तीसगढ़ में इस उद्योग की भरपूर संभावनाओं और इसके लिए विकसित अधोसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) की जानकारी दी। यह समिट कान्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज द्वारा पूर्वी क्षेत्र के सदस्यों के लिए आयोजित की गई थी।

समिट में उपस्थित उद्यमियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति में स्टील सेक्टर को विशेष रूप से प्रोत्साहन दिया गया है। यदि कोई उद्यमी ग्रीन स्टील का उत्पादन कर रहा हो, तो उसे विशेष अनुदान देने का प्रावधान भी छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति में किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश को स्टील हब बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उनके नेतृत्व में देश में स्टील उत्पादन 100 मिलियन टन से बढ़कर 200 मिलियन टन हो गया है, और वर्ष 2030 तक इसे बढ़ाकर 300 मिलियन टन तक पहुँचाने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में भी स्टील की वर्तमान उत्पादन क्षमता 28 मिलियन टन से बढ़ाकर 45 मिलियन टन करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपने भरपूर खनिज संसाधनों के कारण समृद्ध है। इनके उचित दोहन से यहाँ औद्योगिक संभावनाओं में अत्यधिक विस्तार संभव है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार का सृजन होगा और राज्य की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में अधिकतम लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु छत्तीसगढ़ सरकार पूर्णतः प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार की रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना और राज्य सरकार की स्थानीय लोगों को रोजगार देने हेतु अनुदान योजनाओं से इस दिशा में सार्थक कार्य होगा।

मुख्यमंत्री ने उपस्थित उद्यमियों को बताया कि विकसित भारत ङ्क2047 के लक्ष्य के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की परिकल्पना पर आधारित अंजोर विजन डाक्यूमेंट तैयार कर लिया गया है। इस दस्तावेज़ में चरणबद्ध रूप से विकास की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने किया अटल की आदमकद प्रतिमा का अनावरण, व्यक्तित्व को बताया युगद्रष्टा

महासमुंद। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव आज सरायपाली प्रवास के दौरान मा घंटेश्वरी मंदिर के समीप नवनिर्मित अटल परिसर पहुंचे, जहां उन्होंने भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और अटल जी के विचारों व योगदान को स्मरण किया। उपमुख्यमंत्री साव ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष थे, जिनका संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित रहा। वे विचारों के धनी, ओजस्वी वक्ता और दूरदृष्टा राजनेता थे। अटल जी ने न सिर्फ भारतीय राजनीति को नई दिशा दी, बल्कि आमजन की आशाओं को नीति में परिवर्तित कर दिखाया। पोखरण परमाणु परीक्षण हो या सर्वसमावेशी विकास की परिकल्पना, हर कदम पर उन्होंने भारत को गौरवान्वित किया। उन्होंने आगे कहा कि अटल जी का जीवन सरलता, संयम और राष्ट्रीय भावना का प्रतीक रहा है। उन्होंने लोकतंत्र की गरिमा को सदैव सर्वोपरि रखा और विपक्ष को भी सम्मान देने की परंपरा स्थापित की। उनके व्यक्तित्व से वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। इस अवसर पर सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, सरायपाली विधायक श्रीमती चातुरी नंद, बसना विधायक संपत अग्रवाल, पूर्व सांसद चुन्नी लाल साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मोगरा पटेल, छत्तीसगढ़ बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर,राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती सरला कोसरिया, स्काउट गाइड संघ के जिलाध्यक्ष येतराम साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मोगरा पटेल एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने अटल जी के विचारों को आत्मसात करने और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)